जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 138 प्रभात चूरू, शनिवार 14 सितम्बर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

निवेश आकर्षित करने हेतु मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल की जापान यात्रा पूरी

डाइकिन और एन.आई.डी.ई.सी. कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने राजस्थान के अफसरों से गंभीर चर्चा की

- ''पधारो म्हारे देस'', मुख्यमंत्री भजनलाल ने जापानी निवेशकों को राजस्थान आने का निमंत्रण दिया।
- ओसाका में इन्वैस्टर्स मीट के बाद जापान में रह रहे राजस्थानी समुदाय के लोगों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

ओसाका, जापान, 13 सितंबर। अपनी तीन दिवसीय जापान यात्रा के अंतिम दिन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ओसाका में आयोजित इन्वैस्टर्स मीट में भाग लिया और जापानी निवेशकों से राजस्थान में अपने मौजूदा व्यवसायों का विस्तार करने और नए उद्यम स्थापित करने का आग्रह किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने दो प्रमुख जापानी कंपनियों, डाइकिन और एनआईडीईसी कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। इन कंपनियों के, राज्य के नीमराणा जापानी निवेश ज़ोन में पहले से ही उपक्रम हैं।

ओसाका निवेशकों की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं जापानी निवेशक समुदाय से राजस्थान में अपना विश्वास बनाए रखने और भारत और जापान के बीच मौजूदा साझेदारी को और मजबूत बनाने का आग्रह करता हूं।'' ओसाका यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र में अवस्थित एक प्रमुख कंपनी डाइकिन इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। ओसाका में डाइकिन इंडस्ट्रीज का मुख्य कार्यालय है, जहां कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपने बारे में बताया, खासतौर पर राजस्थान में मौजूद उपक्रम के बारे में और राज्य में कंपनी की विस्तार योजनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री कंपनी के टैक्निकल इनोवेशन सैंटर को देखने भी गए।

ओसाका में इन्वैस्टर्स मीट के बाद मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने एक अन्य जापानी कंपनी एनआईडीईसी कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और प्रदेश में सरकार द्वारा उठाए जा रहे महत्वपूर्ण व्यापार-अनुकूल परिवर्तनों के बारे में जानकारी दी। एनआईडीईसी कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने राज्य द्वारा व्यावसायिक माहौल को अच्छा बनाने के लिए उठाए जा रहे प्रभावशाली कदमों की सराहना की और आश्वासन दिया कि कंपनी की दीर्घकालिक योजनाओं में राजस्थान भी शामिल है।

इसके अलावा, ओसाका में अनिवासी राजस्थानी समुदाय (एनआरआर) के लोगों ने भी राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन मु. मंत्री भजनलाल शर्मा ने ओसाका (जापान) में आयोजित इन्वैस्टर्स मीट को संबोधित किया। मु. मंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमण्डल ने जापान की दिग्गज कंपनी डायकिन और एन.आई.डी.ई.सी. के साथ भी निवेश पर चर्चा की।

2017 में ई.आर.सी.पी. प्रोजैक्ट की लागत 37,000 करोड़ रू. आंकी गयी थी

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने यह लागत स्वीकार कर ली थी क्योंकि जिस प्रोजैक्ट रिपोर्ट के आधार पर यह लागत निकाली गई थी, उसे केन्द्रीय सरकार की सिंचाई क्षेत्र की विशेषज्ञ एजेंसी ''वैपकोस'' ने तैयार किया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। ई.आर.सी.पी. टैंडर की परतों के बीच विभिन्न रोचक और रहस्यात्मक पहलू छुपे हुए हैं, जिन्हें समझना आम आदमी के लिए असंभव हैं, और इसी तरह अशोक गहलोत ने अपना खेल खेला है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यह सुनिश्चित करने की जल्दी में थे कि ई.आर.सी.पी. टैंडर न केवल एक कार्टल का हिस्सा हो, बल्कि, यह भी कि इसका काम फेवरेट कपंनी मेघा इंजिनियरिंग को दिया जाए।

सन् 2017 में ई.आर.सी.पी. की लागत लगभग 37,000 करोड़ रु. थी, जब वसुंधरा राजे के कार्यकाल में भारत सरकार की स्पेशलाइज्ड कम्पनी, वैपकोस (डब्ल्यु.ए.पी.सी.ओ.एस.) ने अपनी रिपोर्ट पेश की थी। उसके बाद अप्रॉक्सिमेट लागत का एक और राउण्ड आरंभ हुआ।

- पर, गहलोत सरकार के आते ही प्रोजैक्ट को तीन हिस्सों में बांटा गया।
- तीनों पैकेज कितने-कितने बड़े होंगे और कब काम शुरु करेंगे यह बड़ी होशियारी से तय किया गया, जिससे सरकार की चहेती कम्पनी मेघा को ही काम मिले।
- लगभग इसी समय जल-जीवन मिशन के टैण्डर भी जारी किये गये और वे भारी विवाद में फंस गये और वर्तमान में इसकी जांच चल रही है।
- बड़ी-बड़ी कम्पनियाँ, जैसे एल एण्ड टी, रामकी इन्फ्रा देखती रह गईं और येन केन प्रकरेण, केवल मेघा को ही टैण्डर मिला।
- इतनी बड़ी साजिश, किसने रची, शक की सुई पूर्व मु.मंत्री गहलोत पर ही जाती है।

अशोक गहलोत यह दिखाना चाहते थे कि उन्होंने काम शुरू कर दिया था, चाहे छोटे हिस्से में और टुकड़ों-टुकड़ों में ही सही, इसीलिए एक पैकेज बनाया गया। जिस तरह से वित्तीय मुद्दों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो वीडियो की अजीबो-गरीब कहानी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। आज एक वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इस वीडियो में, ''अन्नपूर्णा चेन ऑफ रेस्टोरेन्ट्स'' के मालिक को कथित रूप से वित्त मन्त्री निर्मला सीतारमण से ''माफी माँगते हुए'' दिखाया गया है क्योंकि उन्होंने गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जी.एस.टी.) को लेकर चिन्ता जताई थी।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो में, अन्नपूर्णा के मालिक श्रीनिवासन, सीतारमण से बात करते हुए तथा उनके सामने हाथ जोड़कर खड़े हुए देखे जा सकते हैं। वे कह रहे हैं कि वे किसी भी पार्टी से जुड़े हुए नहीं हैं।

श्रीनिवासन ने कोयम्बटूर में आयोजित एक समारोह में जी.एस.टी. का मुद्दा उठाया था, जिसमें सीतारमण भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा था, ''समस्या यह है कि जी.एस.टी. हर चीज पर अलग-अलग तरह लागू होती है। उदाहरण के लिए, 'बन' पर कोई जी.एस.टी. नहीं है। लेकिन अगर आप इस पर क्रीम लगा देते हैं तो जी.एस.टी. 18 प्रतिशत हो जाती है।'' उन्होंने कहा कि इस कारण, ग्राहक, खास तौर से परिवार, बन और क्रीम अलग-अलग माँगते हैं तथा कहते हैं कि वे बन पर क्रीम अपने आप लगा लेंगे, क्योंकि ऐसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पहले वीडियो में अन्नपूर्णा रेस्टोरेन्ट श्रृंखला के मालिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष जी.एस.टी. टैक्स की विडम्बना बखान कर रहे हैं।
- दूसरी वीडियो में वे निर्मला सीतारमण के सामने हाथ जोड़कर खड़े होकर माफी मांगते दिख रहे हैं।
- चर्चा है कि रेस्टोरेन्ट श्रृंखला के मालिक को इतना डराया-धमकाया गया कि उसे हाथ जोड़कर वित्त मंत्री से माफी मांगनी पड़ी और किसी शरारती तत्व ने दोनों वीडियो सोशल मीडिया पर भी रिलीज़ कर दिये और मामला हास्यपूर्ण हो गया तथा राहुल गांधी, डी.एम.के. सांसद कनीमोई भी इस विवाद में कूदे और वित्त मंत्री को संबोधित करके कहा, आपको तमिलनाडू का इस प्रकार तिरस्कार नहीं कराना चाहिये।

जल जीवन मिशन घोटाले के आरोपी संजय बडाया को जमानत नहीं

जयपुर, 13 सितंबर। ई.डी. मामलों की विशेष अदालत ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में आरोपी संजय बड़ाया को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की ओर से पेश जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा है कि आरोपी पर पी.एच.ई.डी. के टेंडर्स में हुए भ्रष्टाचार और ठेकेदारों की ओर से किए गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा कि आरोपी पर पी.एच.ई.डी. के टैण्डर्स में भ्रष्टाचार करने व ठेकेदारों के अपराधिक कार्यों में लिप्त होने का आरोप है, उसे जमानत नहीं दी जा सकती।

आखिरकार केजरीवाल को जमानत मिल ही गई

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को सशर्त जमानत दी कि वे सी.एम. ऑफिस और सचिवालय नहीं जाएगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। आखिरकार, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को ''पिंजरे में बंद तोते'' की छवि से मुक्ति मिल गई। जहाँ न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा उज्जल भूयान उन्हें जमानत देने के निर्णय पर एकमत थे, वहीं केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर दोनों के बीच मतभेद था।

अब रद्द की जा चुकी ''दिल्ली एक्साइज़ नीति'' के सिलसिले में सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (सी.बी.आई.) द्वारा दायर केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार, 13 सितम्बर 2024 को जमानत दे दी। आप प्रमुख अब जेल से बाहर आ सकेंगे, क्योंकि एन्फोर्समैंट डायरेक्टोरेट (ई.डी.) द्वारा दायर मनी लॉन्डरिंग केस में उन्हें पहले ही अंतरिम जमानत मिल चुकी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री लम्बे समय से जेल में हैं तथा यह स्थिति उनकी रिहाई को अन्यायपूर्ण तरीके से रोकने के समान है। लेकिन उन्होंने गिरफ्तारी की वैधता का समर्थन करते हुये कहा कि प्रक्रिया संबंधी कोई अनियमितता नहीं हुई थी। इसके विपरीत, न्यायमूर्ति उज्जल भूयान ने केजरीवाल की सी.बी.आई. द्वारा की गई गिरफ्तारी को ''अन्यायपूर्ण'' बताया।

लेकिन शीर्ष अदालत ने, जमानत में लगाई गई शर्तों के अनुसार, केजरीवाल के मुख्यमंत्री कार्यालय या दिल्ली सचिवालय जाने पर रोक लगा दी है। उन्हें यह आदेश भी दिया गया है कि वे इस केस की मैरिट्स पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेंगे।

सी.बी.आई. को ''देश की मुख्य जाँच एजेंसी'' बताते हुये, न्यायमूर्ति भूयान ने कहा कि एजेंसी पूरी तरह सच्ची एवं निष्पक्ष नज़र आनी चाहिये। उन्होंने कहा, ''विशेष रूप से लोकतंत्र में, हर प्रयास ऐसा दिखाई देना चाहिये कि गिरफ्तारी स्वैच्छाचारिता एवं निरंकुश तरीके से नहीं की गई है। सी.बी.आई. को इस तरह काम करना चाहिये कि यह सोच देखने-सुनने में नहीं आये कि यह ''पिंजरे का तोता'' है। वस्तुतः यह एक ''आज़ाद तोते'' के रूप में नज़र आनी चाहिये।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल संवैधानिक पद पर हैं, उनके उड़न छू हो जाने का खतरा नहीं है और ना ही सबूतों से छेड़छाड़ का खतरा है क्योंकि सारे सबूत सी.बी.आई. के कब्जे में हैं।

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को ई.डी. ने दिल्ली की आबकारी नीति, जो अब रद्द हो चुकी है, से संबंधित मामले में मनी लॉंडरिंग के एक केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 26 जून को सी.बी.आई. ने उन्हें किसी कथित घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मनी लॉंडरिंग केस में 12 जुलाई को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वे केस से संबंधित किसी भी पक्ष पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेंगे।
- केजरीवाल की पैरवी करते हुए अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल संवैधानिक पद पर हैं, उनके उड़न छू होने का खतरा नहीं है और वे सबूतों से छेड़छाड़ नहीं कर सकते क्योंकि सारे दस्तावेज सी.बी.आई. के पास हैं।

मोदी ने पहनी गांधी टोपी

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अलग कर लिया है। हाल ही चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी.वाय. चंद्रचूड के घर गणेश आरती में शामिल होते समय प्रधानमंत्री मोदी ने संघ की काली टोपी छोड़कर गांधी टोपी पहनी थी।

चीफ जस्टिस के बगल में मोदी आरती की थाली लिए हुए देखे गए।

केन्द्र सरकार ने अब पोर्ट ब्लेयर का नाम बदला

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (वार्ता)। गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति दिलाने की सरकार की मुहिम के तहत गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम ' विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा , ' देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर आज गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम ' विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है। ' विजयपुरम' नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आपके खिलाफ कोई साजिश रचेगा, तो मैं आपकी सुरक्षा के लिये खड़ा रहूँगा- पायलट

विश्नोई समाज ने खेजड़ली मेले में सचिन पायलट का भावपूर्ण परम्परागत स्वागत किया

- पायलट ने कहा, ''पर्यावरण, जंगल, जानवर के लिये अपनी जान हथेली पर रखकर केवल विश्नोई समाज चला है।''
- उन्होंने कहा, ''समय के साथ इंसान को बदलना पड़ा है, पर हमारे अंदर के कुछ संस्कार हमें नई पीढ़ी को देने हैं।''

जोधपुर, 13 सितम्बर (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट शुक्रवार को खेजड़ली में आयोजित विश्नोई समाज के महाकुंभ में पहुंचे। यहां पायलट का विश्नोई समाज ने परम्परागत तरीके से स्वागत किया।

पायलट ने यहां धर्मसभा को संबोधित करते विश्नोई समाज के लोगों से कहा कि समाज के विरूद्ध और हित में षड्यंत्र और साजिश भी रची जाती हैं, उससे हमें सावधान रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा- मैं आपसे आग्रह करूंगा कि हम सभी पढ़ाई, शिक्षा और संस्कारों पर ध्यान दें। नई पीढ़ी हमारी बातों को नहीं सुनेगी, हमारे कर्मों को देखेगी। हम कहें कुछ, और करें कुछ और..इससे कुछ होने वाला नहीं है। हमें अपनी करनी और जीवनशैली से नौजवानों की पीढ़ी को प्रभावित करना है।

हजारों की भीड़ को संबोधित करते पायलट ने कहा कि जब समय बदलता है तो इंसान को बदलना पड़ता है, लेकिन समाज की कुछ ऐसी यादें और कुछ ऐसे संस्कार हमारे अंदर हैं, जो नई पीढ़ी को देने हैं। हमारी नई पीढ़ी को शिक्षा स्कूलों और कॉलेज में बहुत मिलती है, आजकल मोबाइल फोन आ गया। और भी बहुत सारी जानकारी भी मिल जाएगी, लेकिन जो त्याग, तपस्या, समर्पण, बलिदान समाज का रहा, उस पर हम सभी को फख्र रहता है।

पायलट ने कहा कि अपने घरवालों, अपनी मातृभूमि के लिए तो बहुत से लोग शहादत देने को तैयार रहते हैं, लेकिन पर्यावरण, जंगल, जानवरों के लिए अपनी जान हथेली पर रखकर कोई चला है तो वो विश्नोई समाज ही है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि समाज के विरूद्ध और हित में षड्यंत्र और साजिश भी रची जाती हैं, उससे हमें सावधान रहना पड़ेगा। पायलट ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, कुर्बानी देने वाले इस काश्तकार और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जोधपुर में खेजड़ली मेले में शामिल हुये कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट का विश्नोई समाज ने अपने परम्परागत अंदाज़ में स्वागत किया। पायलट ने मेले में सम्मिलित हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुये कहा, हमें समाज और पर्यावरण की रक्षा करनी होगी, नई पीढ़ी को अपने सिद्धांतों और उसूलों की शिक्षा देनी होगी। उन्होंने कहा कि अपने घरवालों और मातृभूमि के लिए हर कोई शहादत देने के लिए तैयार रहता है लेकिन पर्यावरण, जंगल-जानवर के लिए अपनी जान हथेली पर रखकर कोई चला है तो वह विश्नोई समाज ही है।

चारागाह भूमि पर अतिक्रमण, तहसीलदार को हाजिर होने के आदेश

जयपुर, 13 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिले की ग्राम पंचायत लोटवाडा की चारागाह भूमि पर अतिक्रमण से जुड़े एक मामले में बैजूपाडा तहसीलदार को रिपोर्ट पेश नहीं करने पर आगामी सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने को कहा है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश कैलाश चंद की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि भले ही केस से जुड़े सरकारी वकील बदल गए हों, लेकिन अदालत को आदेश की पालना से मतलब है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट ने दौसा जिले के ग्राम पंचायत लोटवाडा की चारागाह भूमि पर अतिक्रमण संबंधी रिपोर्ट पेश नहीं करने पर तहसीलदार को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने को कहा है।

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है, बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

जेन जी पीढ़ी है जालसाजों की आसान शिकार

यह अपने आप में आश्चर्य जनक पर सत्यता भरा निष्कर्ष है कि सामान्य लोगों की तुलना में आज की पीढी ठगी का अधिक शिकार हो रही है। वैश्विक आंकडों के अनुसार आम आदमी की तुलना में जेन जी के युवा तीन गुणा अधिक फ्राड के शिकार हो रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है सोशियल मीडिया पर सर्वाधिक समय जेन जी की पीढी ही दे रही है। 1996 से 2010 के दौरान जन्म लेने वाले युवाओं को जेन जी के नाम से पुकारा जाने लगा है। दरअसल जेन जी की पीढी और सोशियल मीडिया, इंटरनेट की दुनिया, एंड्रायड फोन, एक क्लिक में जानकारी व सुविधाओं की उपलब्धता, वास्तविक गुरु से भी अधिक गुगल गुरु पर विश्वास, मोबाईल से खरीददारी का लुत्फ, मोबाईल से भुगतान की सुविधा और सब्जी की दुकान से पांच रुपए की सब्जी, गली के वेंडर से लेकर बडी से बडी खरीददारी से लेकर हजारों की खरिददारी की सुविधा और वो भी घर बैठे इसका लुत्फ उठाने की आजादी ने युवा पीढी को अधिक प्रभावित किया है। रही-सही कसर कोरोना के कारण ऑन लाईन पढाई और वर्क फ्राम होम ने पूरी कर दी। इससे लोगों को मोबाईल की लत इस तरह से लग गई कि लोग बिंज वाचिंग का शिकार होते जा रहे हैं। यह एक नए तरह का नशा हो गया है और इसमें लोग सोशियल मीडिया से जुड़े किसी भी प्लेटफार्म पर आने वाले लुभावने विज्ञापनों सहित विभिन्न प्रकार के ऑफर्स के चक्कर में तत्काल आ जाते हैं। हालात यह हो गए हैं कि आज डिजीटल अरेस्ट जैसी घटनाएं आम होती जा रही है और सबसे अधिक मजे की बात यह कि पढ़ें-लिखे और समाज में उंचे पदों पर बैठे व सम्मानित लोग ही डिजिटल अरेस्ट के अधिक शिकार हो रहे हैं।

मोबाईल से खरीददारी का आदेश देना नए जमाने का नए तरह का नशा है। ड्रग्स की भाषा में बात करें तो यह डिजिटल ड्रग्स है और किसी अन्य नशें से इसका नशा किसी भी तरह से कमतर नहीं है। मेडिकल की भाषा में कहा जाएं तो यह एक तरह की वो बीमारी है जिसे मनोचिकित्सक साइकोसोमैटिक डिसआर्डर कह कर पुकारने लगे हैं। बिंज वाचिंग शब्द पहली बार 2003 में चलन में आया पर 2013 में यह अधिक लोकप्रिय हुआ। कोरोना काल में खासतौर से लॉकडाउन के कालखण्ड में बिंज वाचिंग और भी अधिक पांव पसारने में सफल रही। देखा जाए तो दूसरे नशों की तरह ही इस तरह की लत व्यक्ति के दिमाग पर सीधा असर करती है। इसके चलते व्यक्ति में एकाकीपन, चिडचिडापन अनिद्रा, दैनिक व्यवहार में बदलाव यहां तक कि डिप्रेशन के हालात तक होने लगे हैं। जवाहर लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज मायागंज अस्पताल के मनोरोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक भगत के अनुसार अब तो सप्ताह में सात से आठ नए मरीज आने लगे हैं। साइकोसोमैटिक डिसआर्डर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है।

मोबाईल से खरीददारी का आदेश देना नए जमाने का नए तरह का नशा है। ड्रग्स की भाषा में बात करें तो यह डिजिटल ड्रग्स है और किसी अन्य नशें से इसका नशा किसी भी तरह से कमतर नहीं है। मेडिकल की भाषा में कहा जाएं तो यह एक तरह की वो बीमारी है जिसे मनोचिकित्सक साइकोसोमैटिक डिसआर्डर कह कर पुकारने लगे हैं। हालात यह हो गए हैं कि आज डिजीटल अरेस्ट जैसी घटनाएं आम होती जा रही है और सबसे अधिक मजे की बात यह कि पढ़ें-लिखे और समाज में उंचे पदों पर बैठे व सम्मानित लोग ही डिजिटल अरेस्ट के अधिक शिकार हो रहे हैं।

खैर यह तो अलग बात हुई पर जिस तरह के जालसाजों के जाल में फंसने का सवाल है जेन जी के युवा अधिक आसानी से लपेटे में आ रहे हैं। इसका बड़ा कारण तीन से चार घंटे तक सोशियल मीडिया पर सक्रिय रहना हैं। डेलाइट की एक रिपोर्ट की माने तो जेन जी के युवा अन्य की तुलना में तीन गुणा ज्यादा जालसाजों के शिकार इसलिए हो रहे हैं कि आज की पीढी तोल मोल के भाव पर विश्वास ही नहीं करती। आसानी से ऑनलाईन ऑफरों/प्रपोजल्स के जाल में फंस जाती है और किसी भी खरीद या निवेश पर जो अध्ययन किया जाना चाहिए या यों कहें कि जो जानकारियां जुटाई जानी चाहिए, उनके पास समय ही नहीं होता। यही कारण है कि डिजीटल दुनिया के जालसाज सोशियल मीडिया पर बड़े ही आकर्षक तरीके से अपने प्रस्ताव या अपने उत्पाद को प्रदर्शित करते हैं कि व्यक्ति उसके जाल में फंस जाता है। यहां तक कि साइबर ठगी का शिकार होने के साथ ही साथ कई बार तो अपनी जमा पूंजी से भी हाथ धो बैठता है। ऐसे में आज की युवा पीढ़ी को सोशियल मीडिया पर आ रहे प्रस्तावों पर गंभीरता से सोच-विचार कर ही निर्णय करना चाहिए। कारण साफ है लिंक के बाद लिंक के जाल में हमारी सारी जानकारी ठगों तक आसानी से पहुंच जाती है और हम दूसरी तरह से भी शिकार का कारण बन सकते हैं। इसलिए जेन जी को सोशियल मीडिया के साइड इफेक्ट्स को भी समझना होगा। व्यवहार करने से पहले समझना भी होगा ताकि जालसाजों के जाल से बच सकें और किसी भी अप्रिय घटना या दुर्घटना का शिकार ना हो सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को भाजपा द्वारा अनावश्यक महत्व

राजेन्द्र भाणावत

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों और छात्रों के साथ संवाद में दिए गए उनके उत्तरों को भारतीय जनता पार्टी ने, जाने-अनजाने, चाहे अनचाहे,अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है । भाजपा के रणनीतिकारों को समझना होगा कि किसी साधारण व्यक्ति की गलत बात को भी जितना तूल दिया जाएगा, उतना ही अधिक, उस व्यक्ति का कद, जनता में बढ़ जायेगा।

यदि भाजपा, राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों पर इतनी अधिक आक्रामक टिप्पणियां नहीं करती, तो संभव है, अधिकांश लोगों को पता ही नहीं लगता कि राहुल गांधी अमेरिका गए भी थे। उनकी यात्रा का जितना अधिक प्रचार-प्रसार भाजपा ने कर दिया है, उतना तो बहुत धन राशि खर्च करके भी कांग्रेस नहीं कर पाती। आज का युग मीडिया का है। राजनीति में, किसी भी सही या ग़लत कारण से, यदि कोई चर्चा में बना रहे, तो उसका उद्देश्य पूरा हो जाता है।

पाठकों को स्मरण होगा, कुछ साल पहले 'ओनिडा' टी वी का विज्ञापन आता था, जिसमें एक बड़े गिरगिट को दिखाया जाता था। यह विज्ञापन भय और घृणा का भाव उत्पन्न करता था। इसके बड़े-बड़े होर्डिंग हर प्रमुख चौराहे पर दिखाई देते थे। उस विज्ञापन को देखकर ओनिडा टीवी के प्रति घृणा अवश्य उत्पन्न होती थी, किंतु विभिन्न टीवी कंपनियों के विज्ञापनों के बावजूद, आज भी याद वही विज्ञापन रहता है। यह आश्चर्य की बात है कि प्रचार-प्रसार का यह मूल सिद्धांत, भाजपा कैसे ध्यान नहीं रख पा रही है?

भाजपा का यह कहना भी कोई महत्व नहीं रखता कि राहुल गांधी के द्वारा यदि यह बयान देश में जाता तो कोई आपत्ति नहीं थी, किंतु विदेश में दिया गया है, इसलिए आपत्तिजनक है। आज के संचार क्रांति के युग में, आप विश्व के किसी भी स्थान पर कोई भी बात कहें, उसे विश्व के किसी भी कोने में पहुंचने में कुछ क्षण ही लगते हैं।

चर्चा, राहुल गांधी द्वारा कही गई बात पर होनी चाहिए न कि, इस पर कि, उन्होंने वह बात कहां कही है? भारतीय जनता पार्टी को राहुल गांधी द्वारा दिए गए वक्तव्य की बाल की खाल निकालनी चाहिए थी और वस्तु स्थिति जनता के सामने रखनी चाहिए थी। उसने ऐसा नहीं किया और बवाल इस बात पर मचाया गया कि उन्होंने विदेशी धरती पर जाकर ऐसा कहा है।

इस प्रकार की आपत्ति करके, भाजपा ने एक प्रकार से, कांग्रेस को ऑक्सीजन देने का ही काम किया है। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को बैठे बिठाए, यह अवसर दे दिया है कि वह प्रधानमंत्री के द्वारा विदेशों में दिए गए उनके विभिन्न भाषणों के अंशों का वीडियो जारी करें कि किस प्रकार प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए नरेंद्र मोदी ने भारत की और भारतीयों की खिल्ली उड़ाई थी। यदि राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयानों को बार-बार उद्धिरत नहीं किया जाता तो शायद प्रधानमंत्री के उन बयानों को कभी का भुला दिया गया होता। ऐसा करके, कांग्रेस ने गेंद पुनः भाजपा के पाले में डाल दी है।

एक कहावत है, "बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा?" भारतीय जनता पार्टी की पूरी कोशिश कुछ समय से, विशेषकर लोकसभा चुनाव के बाद, राहुल गांधी को बदनाम करने की रही है। इससे जितना मीडिया का स्थान राहुल गांधी के हिस्से में आ रहा है, उतना शायद कांग्रेस के लोग भी नहीं ला पाते। इस प्रकार के नेताओं से निपटने का सबसे अच्छा तरीका तो यही होता है कि उन्हें नज़रंदाज़ कर दिया जाय। यदि भाजपा नेता ऐसा कर पाते तो राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा ही लोगों को याद नहीं रहती।

कुछ टीवी चैनलों पर यह भी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी के भारत लौटने पर, उनके विरुद्ध देशद्रोह का मुकदमा चलाया जा सकता है और उन्हें गिरफ्तार करने की भी कार्यवाही की जा सकती है। यदि वास्तव में ऐसा किया गया तो सत्ताधारी दल द्वारा स्वयं अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा और एक महत्वहीन व्यक्ति को अति महत्वपूर्ण बनाने जैसा हो जाएगा।

लोग तो यहां तक कह रहे हैं यदि राहुल गांधी को सरकार ने गिरफ्तार किया तो उनका कद अचानक बहुत बढ़ा कर, महात्मा गांधी जैसा कर दिया जाएगा। विडंबना यह है कि इसका श्रेय भारतीय जनता पार्टी को अधिक जाएगा। अंग्रेजी शासको ने भी कई बार यह गलती की और क्रांतिकारियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों को प्रताड़ित किया और जेल में डाला। ऐसा करने से उनके आंदोलन को और बल मिला।

इस संदर्भ में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का उदाहरण भी दिया जा सकता है। संभव है, केजरीवाल जितना लाभ जेल में रहकर आम आदमी पार्टी को पहुंचा रहे हैं, उतना शायद बाहर आकर नहीं पहुंचा पाते। अब भी यदि सरकार और सत्ताधारी दल आप के नेता अरविंद केजरीवाल और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को इतना महत्व देना बंद कर दें, तो चुनाव की दृष्टि से उनके लिए कहीं अधिक लाभकारी सिद्ध होने की संभावना है। जितना अधिक उनके बारे में बयान बाजी करेंगे, उतना ही वे, उन्हें मीडिया में बनाए रखेंगे और राजनीति में मीडिया में बने रहना ही नेताओं के लिए सबसे बड़ी प्राणवायु है। जो काम कांग्रेस के नेता नहीं कर पा रहे हैं वह काम भारतीय जनता पार्टी के नेता उनके लिए कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी की हैसियत ऐसे बना दी जैसे उन्हें भारतीय जनता पार्टी से भी अधिक सीटें प्राप्त हुई हों। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को केवल 99 सीटें प्राप्त हुई हैं और भारतीय जनता पार्टी को 240, अर्थात् कांग्रेस की लगभग अढ़ाई गुणा।

आशा है, भारतीय जनता पार्टी के नेता गण इस गलती को सुधारेंगे तथा राहुल गांधी को अनावश्यक इतना अधिक महत्व देना बंद करेंगे।

–राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के विकास की होती है : जगदीप धनखड़

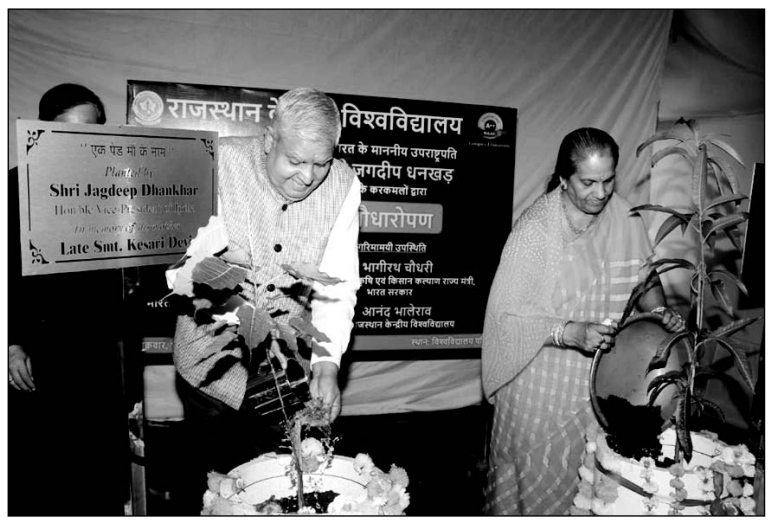

किशनगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक अपनी मां के नाम पौधारोपण किया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक खरनाल तेजाजी के मंदिर में वीर तेजाजी महाराज की पूजा-अर्चना की।

अजमेर/नागौर, (कासं)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं होती बल्कि देश के विकास की होती है इसे हमें पूरी निष्ठा के साथ लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा लक्ष्य है, हमें सदैव अपनी जिम्मेदारियों को याद रखना चाहिए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को अजमेर और नागौर यात्रा पर पहुंचे। इस दौरान धनखड़ पहले किशनगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रही। स्वागत के बाद उपराष्ट्रपति ने अपनी मां के नाम पौधारोपण किया और फिर विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद किया।

धनखड़ ने "विकसित भारत 2047 में उच्च शिक्षा की भूमिका" पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के विकास के लिए है और इसे हमें पूरी निष्ठा के साथ लागू करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रवाद की भावना को सर्वोपरि रखने का आव्हान किया और कहा कि अगर हमारे भारत को कोई सुई भी चुभती है तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होता है। धनखड़ ने नाम लिए बिना राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के दौरान हालिया बयानों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ भटके हुए लोग भारतीय संविधान की शपथ के बाद भी राष्ट्रवाद से दूर हैं।

हमारा लक्ष्य है राष्ट्रवाद और हमें अपनी जिम्मेदारियों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई भारतीय देश से बाहर जाता है, तो वह देश का राजदूत बनकर जाता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के बिना विकसित भारत का सपना मुमकिन नहीं। हमें रोजाना कुछ नया सीखना चाहिए और अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने रोजगार के विभिन्न साधनों की भी चर्चा की और कहा कि केवल सरकारी नौकरियां ही रोजगार का जरिया नहीं हैं, आज कई अन्य विकल्प भी उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के अंत में धनखड़ ने विश्वविद्यालय के कुलपति से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को दिल्ली आने का निमंत्रण दें, ताकि वे संसद, भारत मंडपम और प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा कर सकें। अपने संबोधन के बाद उपराष्ट्रपति ने स्थानीय सरपंचों और ग्रामीणों से भी मुलाकात की और उन्हें दिल्ली आने का निमंत्रण दिया।

- **राष्ट्रवाद हमारा लक्ष्य है, हमें सदैव अपनी जिम्मेदारियों को याद रखना चाहिए : उपराष्ट्रपति**
- **उपराष्ट्रपति धनखड़ पत्नी के साथ अजमेर और नागौर यात्रा पर पहुंचे**

सुरसुरा में वीर तेजाजी धाम पर किए दर्शन :-उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक सुरसुरा में तेजाजी महाराज के दर्शन किए वे मंदिर में कुछ देर रुके और पूजा-अर्चना की।

उपराष्ट्रपति तेजाजी महाराज के जन्म स्थली खरनाल में तेजाजी मंदिर पहुंचे : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक तेजाजी महाराज के जन्म स्थली खरनाल में तेजाजी मंदिर पहुंचकर लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के दर्शन किए और देश की सर्वांगीण खुशहाली की कामना की। उपराष्ट्रपति ने सपत्नीक मंदिर में वीर तेजाजी महाराज की पूजा-अर्चना की। मंदिर प्रबन्धन की ओर से उपराष्ट्रपति धनखड़ का स्वागत करते हुए तेजाजी महाराज की तस्वीर एवं प्रसाद भेंट कर अभिनन्दन किया गया।

उपराष्ट्रपति ने तेजाजी मंदिर परिक्षेत्र में मंदिर प्रबन्धन से जुड़े पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा क्षेत्रवासियों से चर्चा की। इस दौरान भाजपा उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा ने उपराष्ट्रपति महोदय धनकड़ को साफ़ा व उनकी पत्नी को शाल ओढ़ाकर अभिवादन किया। मेलार्थियों के अभिवादन का उपराष्ट्रपति ने हाथ हिलाकर प्रत्युत्तर दिया। उपराष्ट्रपति तेजाजी महाराज की जन्मस्थली खरनाल में लगभग एक घण्टा रुकने के उपरान्त दोपहर बाद हैलीपेड के लिए रवाना हुए, जहां से वायुसेना के विशेष विमान से उन्होंने दोपहर लगभग 2.15 बजे सुरसुरा (अजमेर) के लिए प्रस्थान किया, जहां तेजाजी महाराज की निर्वाण स्थली है। हैलीपेड पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, भाजपा उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, पूर्व विधायक मोहनराम चौधरी, रिछपाल मिर्धा, श्रीराम भींचर, जिला भाजपा अध्यक्ष रामनिवास सांखला, रेवंतराम डांगा, पांचला सिध्दा महंत सूरजनाथ महाराज, जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित, पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस मौजूद रहे।

राशिफल शनिवार 14 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 8:33 तक, शोभन योग सायं 6:17 तक, वणिज करण प्रातः 9:36 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 8:33 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:33 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 9:31 से रात्रि 8:42 तक रहेगी। आज पक्ष एकादशी, जलझूलनी और परिवर्तिनी एकादशी व्रत है। आज डोल ग्यारय पर्व (जल विहार) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:47 से 9:19 तक, चर 12:22 से 1:54 तक, लाभ-अमृत 1:54 से 4:58 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:28

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

तुला

परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

कर्क

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन

आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सांवलियाजी सेठ का जलझूलनी एकादशी मेला प्रारंभ

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में जलझूलनी एकादशी का तीन दिवसीय मेला शुक्रवार को शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। मेले के प्रथम दिन तेजा दशमी पर्व पर भगवान श्री सांवलियाजी सेठ की शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से दोपहर दो बजे प्रारंभ हुई। शोभायात्रा का मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन एवं मंदिर के मुख्य निष्पादन अधिकारी राकेश कुमार एवं बोर्ड सदस्यों द्वारा भगवान सांवलिया सेठ की अगवानी कर मेले का श्री गणेश किया।

शोभायात्रा में सजे-धजे घोड़े, ऊंट व हाथी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। इन पर केसरिया पोशाकों में बैठे पुजारी द्वारा चारों ओर गुलाल उड़ाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में विभिन्न बैंड बाजे, डीजे, ढोल, मांडल एवं हारमोनियम की मधुर धुनों में भक्त नाचते गाते भगवान सांवलिया सेठ के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर सर्वत्र वातावरण कृष्ण भक्ति में ओत-प्रोत हो गया। इस शोभायात्रा में कस्बे के विभिन्न विद्यालयों की देव रूपी झांकियां शोभायात्रा की अलग ही शोभा बढ़ा रही थी। शोभायात्रा मंदिर परिसर से धीमी गति से बढ़ते हुए शिव मंदिर चौक पहुंची जहां बड़ी संख्या में महिला-पुरुष भक्तजन भगवान की प्रतिमा के दर्शन के लिए आतुर दिखाई दिए। इसके बाद शोभायात्रा गढ़ी के देवर के सामने से गुजरते हुए कबूतर खाना, ब्रह्मपुरी मोहल्ला एवं सदर बाजार होती हुई रात्रि आठ बजे पुनः मंदिर परिसर में पहुंची। शोभा यात्रा के मंदिर परिसर में पहुंचने के पश्चात मंदिर के मुख्य सिंहद्वार के सामने रंग बिरंगी भव्य आतिशबाजी हुई। जलझूलनी एकादशी शनिवार को भगवान श्री सांवलिया जी सेठ की विशाल रथ यात्रा दोपहर 12 बजे मंदिर परिसर से प्रारंभ होगी। रथयात्रा नगर भ्रमण करते हुए सांवलिया सरोवर पहुंचेगी। जहां भगवान की विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर स्नान कराया जाएगा। इससे पूर्व एकादशी पर्व पर शनिवार को दोपहर 12 बजे मंदिर के शिखर पर हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा की जाएगी। मेले के उपलक्ष्य में भगवान सांवलिया सेठ के मंदिर में एवं कॉरिडोर को गुलाब, मोगरा व गेंदें के ताजा फूलों से सजाया गया, जिससे पूरा मंदिर एवं कॉरिडोर फूलों की खुशबू से महक रहा है।

मंडफीया में बैवाण यात्रा की भक्तजनों ने अगवानी की।

- **शोभायात्रा निकली उमड़े श्रद्धालु, आज निकलेगी सांवलियाजी सेठ की विशाल रथयात्रा**

मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मेले की तैयारीयां का जायजा लेने चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर आलोक रंजन गुरुवार रात्रि नौ बजे सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचे। मंदिर प्रभारी शर्मा ने बताया कि कलेक्टर आलोक रंजन ने भगवान सांवलिया सेठ के दर्शन कर मंदिर में भक्तों की दर्शन व्यवस्था एवं एकादशी पर निकलने वाले चांदी के रथ का व अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण कर दिशा निर्देश प्रदान किए। इस मौके पर भदेसर उपखंड अधिकारी विजयेश कुमार पांडेय, नायब तहसीलदार घनश्याम जरवाल, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, सुरक्षा प्रभारी भेरु गिरी गोस्वामी सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

शिविर में 61 यूनिट रक्तदान किया

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, सादुलपुर (चूरू) के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में संस्थान के श्रीराम पीजी कॉलेज के सभागार में शुक्रवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ बहन ब्रह्माकुमारी शोभा बहन, जगदीश राय जैन, महंत जगदीश पुरी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रामावतार सोनी, डॉ. रनसिंह जांगिड, पूर्व महाप्रबंधक एसबीआई एम एन कुरैशी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तारानगर डॉ. सुमन जाखड, प्रधानाचार्य सुमन पूनिया, सेवानिवृत व्याख्याता पुरुषोत्तम पांडिया के आतिथ्य में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संस्थान के चेयरमैन डॉ. दीपचंद साहू ने सभी का स्वागत किया। सुरेंद्र सैनी एवं गणेश दाधीच के नेतृत्व में सोनी ब्लड सेंटर की टीम ने रक्त संग्रहण किया। रक्तदान शिविर में श्रीराम पीजी कॉलेज एवं राजस्थान बीएड कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने तथा राजस्थान पब्लिक स्कूल के समस्त स्टाफ ने एवं आसपास के गणमान्य लोगों ने बढ-चढकर शिविर में हिस्सा लिया। शिविर में 61 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया।

उप चुनावों से पहले सैनी समाज दोनों पार्टियों से टिकट की दावेदारी करेगा

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं विधानसभा के लिए उप चुनाव प्रस्तावित है। ऐसे में ना केवल नेता, बल्कि सैनी समाज ने भी टिकट की दावेदारी के लिए ताल ठोक दी है। शुक्रवार को सैनी समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रेस वार्ता कर 15 सितंबर को प्रस्तावित राजनैतिक चिंतन सभा की जानकारी दी।

सभा के संयोजक व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कमलचंद सैनी ने बताया कि 15 सितंबर को झुंझुनूं विधानसभा उप चुनाव में समाज के नेताओं को टिकट देने की मांग को लेकर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों ही प्रमुख पार्टी कांग्रेस और भाजपा से समाज की मांग रहेगी कि वे संख्याबल के आधार पर इस बार उप चुनावों में सैनी समाज के प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारे।

उन्होंने कहा कि पूरा सैनी समाज एकजुट है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण उदयपुरवाटी विधानसभा चुनाव है। जिसमें समाज ने एकजुटता के साथ एकतरफा वोटिंग कर कांग्रेस के प्रत्याशी को चुनाव जिताया है। यही स्थिति झुंझुनूं विधानसभा उप चुनाव में होगी। यदि सैनी समाज को कांग्रेस या भाजपा टिकट देती है तो 95 प्रतिशत सैनी समाज एकजुटता के साथ वोटिंग करेगा। यदि टिकट नहीं दी तो आगे का निर्णय भी सैनी समाज बैठक करके करेगा। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में सैनी समाज के अच्छी संख्या में वोट है। यदि रोटेशन भी पार्टियां टिकट देती तो अब तक कम से कम दो बार दोनों पार्टी प्रत्याशी उतार सकती थी। लेकिन सैनी समाज को दोनों ही पार्टियों ने वोट बैंक के रूप में काम लिया है। जो इस बार नहीं होगा।

आपको बता दें कि डॉ. कमलचंद सैनी खुद भी भाजपा की टिकट की दावेदारी कर रहे हैं, टिकट के सशक्त दावेदारों में शामिल है। साथ ही सैनी समाज कल्याण संस्थान के संरक्षक राजेंद्र प्रसाद सैनी, राष्ट्रीय सैनी सभा के जगदीश प्रसाद सैनी तथा संतोष सैनी ने प्रेस वार्ता में बताया कि जिला मुख्यालय पर 15 सितंबर रविवार को सुबह 11 बजे सेठ नेतराम मघराज कॉलेज के सामने स्थित कैलाश केसरी अस्पताल के पास सैनी समाज की राजनीतिक चिंतन सभा होगी जिसमें समाज बंधु अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होंगे।

सैनी समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रेस वार्ता कर 15 सितंबर को प्रस्तावित राजनैतिक चिंतन सभा की जानकारी दी।

- राजनैतिक चिंतन सभा का आयोजन कल होगा
- प्रेस वार्ता में डॉ. कमलचंद सैनी ने कहा-संख्या के आधार पर सैनी समाज को मिलनी चाहिए टिकट

संतोष सैनी ने कहा कि पूरे राष्ट्र के ताने बाने में शौर्य, शिक्षा, कृषि, चिकित्सा, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों में सैनी समाज का अभूतपूर्व योगदान रहा है। इस राजनीतिक चिंतन सभा में चिंतन का महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि हम अपनी इस विरासत को राजनीति में आगे कैसे बढा सकते हैं? साथ ही वक्ताओं ने राजनीतिक चिंतन सभा में सभी समाज बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया। ताकि हमारी सामाजिक और राजनीतिक स्थिति मजबूत करने की दिशा सुनिश्चित हो सके।

'बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो'

सीकर, (निसं)। वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौधोगिकी विभाग एवं सीकर व नीमकाथाना जिले के प्रभारी मंत्री संजय शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार सीकर में राज्य सरकार की बजट घोषणा 2024-25 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस दौरान प्रभारी मंत्री शर्मा ने राज्य सरकार की बजट घोषणाओं में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए इन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

वन मंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं और बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक अधिकारी इसकी गंभीरता समझते हुए पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घोषणाओं का समयबद्ध कार्यक्रम निर्धारित करते हुए शत्-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर इन घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग हो तथा आवश्यकता के अनुसार उच्च स्तर पर भी समन्वय रखा जाये।

- प्रभारी मंत्री संजय शर्मा ने बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक ली

प्रभारी मंत्री शर्मा ने जिला सीकर एवं नीमकाथाना की बजट घोषणा 2024-25 की समीक्षा कर भूमि आवंटन करने सहित सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने भारी वर्षा के कारण टूटी सड़कों की मरम्मत से संबंधित प्रस्ताव भिजवाकर उन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक विधानसभा में स्कूलों, कॉलेजों एवं अस्पतालों की मरम्मत के संबंध में तीन करोड़ रुपए तक के प्रस्ताव राज्य स्तर पर भिजवाने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री शर्मा ने बैठक में 17 सितंबर 2024 को जिला स्तर पर आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव की तैयारीयों की समीक्षा भी की। प्रभारी मंत्री शर्मा ने जिले के विधायकों द्वारा अवगत करवाई गई समस्याओ के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

सम्मान के साथ पुलिसकर्मियों को मिलेगा संबल

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं एसपी शरद चौधरी ने कार्यभार संभालने के बाद एक के बाद एक नवाचार कर रहे है। अच्छे कामों को लेकर वे जहां लगभग हर दिन अपने पुलिसकर्मियों का सम्मान कर रहे हैं। वहीं अब उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबल भी प्रदान करेंगे।

झुंझुनूं एसपी शरद चौधरी के निर्देश पर झुंझुनूं पुलिस ने एक व्हाट्स ग्रुप बनाया है। जिसका नाम रखा गया है झुंझुनूं के जाबांज। इस ग्रुप में जिले के सभी 966 कांस्टेबल शामिल किए गए हैं। अब कांस्टेबलों को अपनी समस्याओं को लेकर अधिकारियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे एक मैसेज इस ग्रुप में डालेंगे और सबसे पहले थानाधिकारी, उसके बाद वृत्ताधिकारी उसकी समस्या का समाधान करेंगे। यदि उनसे भी समस्या का समाधान नहीं होगा तो एसपी शरद चौधरी खुद संज्ञान लेंगे। वहीं हर समस्या की मॉनेटरिंग भी एसपी खुद करेंगे। एसपी ने बताया कि कांस्टेबल ही हमारी पुलिस के असली जाबांज है। जो अपनी ड्यूटी जान पर खेलकर करते है। ना बारिश, ना धूप, ना सर्दी ना ही गर्मी, कुछ नहीं देखते। ड्यूटी करते है। इसलिए एक तरफ जहां उनके कार्यों की प्रशंसा होनी चाहिए।

जाहरवीर गोगाजी स्टेट ओपन कबड्डी प्रतियोगिता शुरू

चूरू, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम झारिया में जाहरवीर गोगाजी स्टेट ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्य अतिथि सांसद राहुल कस्वां ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आकाश नाथ महाराज ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव मुस्ताक खान, सरपंच प्रतिनिधि निसार खान,

- खेल से शारीरिक के साथ मानसिक व भौतिक विकास भी होता है : कस्वां

पंचायत समिति सदस्य धर्मेन्द्र बुड़ानिया, पंचायत समिति सदस्य सुनिल मेघवाल व यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश दूकिया थे।

आगंतुक अतिथियों ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद कस्वां ने ग्रामीणों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि खेल से व्यक्ति का शारीरिक के साथ-साथ मानसिक व भौतिक विकास भी होता है। खिलाड़ियों को बिना किसी भेद भाव के आपसी सौहार्द के साथ खेलना चाहिये। उन्होंने कहा कि मैं झारिया ग्राम के विकास में कोई कमी नहीं छोडूंगा। इस अवसर पर सांसद कस्वां ने गांव के विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए आधुनिक लाइब्रेरी की घोषणा की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पीसीसी सचिव मुस्ताक खान ने कहा कि खेल को प्रतिद्वंदता की बजाय प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना चाहिए। इस दौरान सांसद राहुल कस्वां व मुस्ताक खान ने ग्रामवासियों के साथ गोगामेड़ी में गोगाजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उद्घाटन मैच झारिया और तोगावास के मध्य खेला गया, जिसमें तोगावास ने जीत हासिल की। इस अवसर पर रणवीर कस्वां, भंवरसिंह, अविनाश सहारण, दाऊद खान, रावताराम, डूंगरराम, गोविन्द गोदारा, इन्द्रजीत सहारण, जयप्रकाश सहारण, लालचंद गोदारा, जाकिर, अख्तर, गोपी कस्वां, ओमप्रकाश, विधाधर फौजी सहित अनेक ग्रामीणों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

चूरू के झारिया में जाहरवीर गोगाजी स्टेट ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का सांसद राहुल कस्वां ने शुभारंभ किया।

मंदिर में चोरी करते दो महिलाओं को पकड़ा

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के कुठानिया की श्री देवी माई में मंदिर कमेटी की सक्रियता से महिला चोर गैंग को चोरी की वारदात को अंजाम देते पकड़ लिया।

मेले में भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा का घेरा ऐसा बनाया हुआ है, जिसकी वजह से चोर गैंग की दो महिलाओं को मौके पर ही पकड़ लिया गया। इसके बाद मंदिर कमेटी की ओर से दोनों महिलाओं को पुलिस के हवाले कर दिया गया। मंदिर कमेटी कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि कुठानिया के देई माई मंदिर में 15 दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले प्रदेश के अलावा पड़ोसी राज्यों के श्रद्धालु बच्चों के के जात जडूले लगाने के लिए आते है। मेले में आने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस के जवान, वालिंटियर व मेला कमेटी की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए है। मंदिर में श्रद्धालु महिलाएं बच्चों की धोक लगाने के लिए लाइन में लगी हुई थी। इस दौरान थली की रहने वाली महिला के धोक लगाते समय पचेरी से चोरी करने आई दो महिलाओं व एक नाबालिग ने उसका मंगलसूत्र तोड़ लिया। इसी दौरान भीड़ में दो महिलाएं मंगलसूत्र तोड़ते हुए दिखाई दी तो कमेटी के सदस्यों ने तुरंत भीड़ में पहुंचकर दोनो महिलाओं को पकड़ लिया। दोनों महिलाओं से पूछताछ की तो उन्होंने चोरी करना स्वीकार कर लिया तथा चोरी किया गया मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया। मंदिर कमेटी ने पीड़ित महिला को वापस मंगलसूत्र दिया गया तथा आरोपी चोर गैंग की दो महिलाओं को सिंघाना पुलिस को सौंप दिया गया।

ढाई घंटे बिजली बन्द रहेगी

सादुलपुर, (निसं)। 132केवी जीएसएस सादुलपुर में अति आवश्यक मरम्मत कार्य प्रस्तावित होने के कारण 132केवी जीएसएस सादुलपुर से निकलने वाले 33 केवी फीडर की विद्युत आपूर्ति 14 सितम्बर को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक बन्द रहेगी। सहायक अभियंता दिनेश यादव ने बताया कि इसी दौरान सीटी फीडर, पिलानी रोड फीडर, सिद्धमुख फीडर, ददरेवा फीडर, नीमां फीडर व लम्बोर फीडर आदि 33केवी फीडर की सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12बजे तक अढाई घंटों विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी।

'शेखावाटी साहित्य संगम' के पोस्टर का विमोचन

झुंझुनूं, (निसं)। सीकर में आयोजित होने वाले "शेखावाटी साहित्य संगम" के पांचवें संस्करण के पोस्टर का विमोचन झुंझुनूं जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने किया। पांच दिवसीय यह आयोजन शेखावाटी में अपनी एक अनूठी पहचान बना चुका हैं। इस आयोजन में शालेय विद्यार्थी स्तर पर रंगोली प्रतियोगिता, नाटक, पोस्टर, गायन, वाद-विवाद, नृत्य आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। पांच दिवसीय इस आयोजन में पुस्तक परिचर्चा, लेखकों के साथ संवाद, डिबेट सत्र, चर्चा व संवाद सत्र आदि रहने वाले हैं। पोस्टर विमोचन के बाद मानसिंह शेखावत व योगेंद्र सिंह सैनी ने जिला कलेक्टर को आयोजन में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया। शेखावाटी साहित्य संगम की टीम से राहुल सिंह कबीरसर ने बताया कि "शेखावाटी साहित्य संगम" का पांचवां संस्करण 28 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक जैन भवन सीकर में आयोजित होने जा रहा है। इस वर्ष साहित्य के इस महाकुंभ में 25 से अधिक प्रकाशकों की लगभग 30 हजार पुस्तकें उपलब्ध रहने वाली है।

चूरू जिले की संस्कृतिपूर्ण शिक्षा व्यवस्था से मन हर्षित होता है : मंत्री दक

तारानगर, (निसं)। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक शुक्रवार को तारानगर दौरे पर रहे। मंत्री दक ने तारानगर मुख्यालय स्थित बनेचंद सरावगी उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर में नवनिर्मित नारायणी देवी राधा कृष्ण भगत विज्ञान एवं वाणिज्य भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री गौतम कुमार दक, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, डॉ संजय कृष्ण सलिल, गोपाल शरण गर्ग, भामाशाह ताराचंद गोयल व विम्मी देवी गोयल, रतनकुमार गोयल, शिवप्रसाद सहित अतिथि मंचस्थ रहे।

मंत्री दक ने कहा कि चूरू जिले की संस्कारवान व संस्कृतिपूर्ण शिक्षा व्यवस्था देखकर मन हर्षित होता है। यहां से प्रेरणा लेकर हम हमारे क्षेत्र को भी शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ करेंगे।

भामाशाह ताराचंद गोयल द्वारा निर्मित नए भवन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भामाशाह द्वारा अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई जनोपयोगी व परोपकार के कार्य में लगाना उनकी प्रतिष्ठा में चार चांद लगाता है। विज्ञान व वाणिज्य भवन निर्मित होने से अंचल के विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा मिलेगी व विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा भी ग्रहण कर सकेंगे।

सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने तारानगर में बनेचंद सरावगी उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर में नवनिर्मित नारायणी देवी राधा कृष्ण भगत विज्ञान एवं वाणिज्य भवन का लोकार्पण किया।

- राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने नवनिर्मित नारायणी देवी राधा कृष्ण भगत विज्ञान एवं वाणिज्य भवन का लोकार्पण किया
- पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, डॉ संजय कृष्ण सलिल, भामाशाह ताराचंद गोयल रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि, विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा के साथ संस्कार, संस्कृति, देश प्रेम व देशभक्ति की शिक्षा लेंगे। इससे शिक्षा सहित समस्त क्षेत्रों में देश का मान- सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी भावी पीढ़ी आधुनिकता के साथ संस्कृति व संस्कारवान शिक्षा हासिल करे। हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के स्वप्न को साकार करें। पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमारी भावी पीढ़ी संस्कृति व संस्कारों से परिपूर्ण हो तथा उनमें हमारी समृद्ध विरासत के प्रति अनुराग व श्रद्धा का भाव हो। संस्कृति से जुड़ी शिक्षा संस्कार व मर्यादाएं विकसित करती है। उन्होंने कहा कि आज हम स्किल इंडिया की बात करें तो आधुनिक शिक्षा में भी भारत विश्व से आंख मिला रहा है, परंतु हमारी पहचान हमारी संस्कृति से है। इसलिए हमारी संस्कृति के प्रति अनुराग रखते हुए नई पीढ़ी का निर्माण हो। नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा को मातृभाषा से जोड़कर हमारी शिक्षा पद्धित को और अधिक संस्कारवान बनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने भामाशाह के सहयोग से निर्मित भवन की सराहना करते हुए कहा कि भामाशाहों द्वारा शिक्षा चिकित्सा व आधारभूत विकास कार्यों के प्रति समर्पण का भाव हमारे यहां की संस्कृति रही है। भामाशाह ताराचंद गोयल ने अपने जीवन अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी कार्य की सफलता के लिए उसकी मौलिकता आवश्यक है। नकल से आप अल्पकालिक खुशी अर्जित कर सकते हैं, परंतु सफलता के लिए मौलिकता पहली शर्त है। उन्होंने बताया कि स्टील किंग एलएन मित्तल के पिता के साथ काम किया और व्यापार किया। छोटी उम्र में घर से बाहर प्रवास के चलते औपचारिक शिक्षा नहीं मिल पाई। शिक्षा से वंचित होने के भाव को महसूस किया। इसलिए उनकी इच्छा है कि शिक्षा क्षेत्र का उन्नयन हो। इस अवसर पर डॉ संजय कृष्ण सलिल, गोपाल शरण गर्ग, शिवप्रसाद ने भी विचार व्यक्त किए।

गणपति विसर्जन यात्रा प्रमुख मार्गों से निकाली

चिड़ावा, (निसं)। शहर के विवेकानंद चौक में पिछले सात दिन से चल रहे विवेकानंद चौक के राजा के महोत्सव का विधिवत समापन शुक्रवार शाम मूर्ति विसर्जन के साथ हुआ। गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तूं जल्दी आना...देवा हो देवा गणपति देवा...जय गणेश काटो कलेश...जैसे जयकारों और नारों के मध्य श्रद्धालुओं ने गणपति को भावपूर्ण विदाई दी।

इस दौरान पांडाल में सात दिन तक सेवा देने वाले श्रद्धालु भावुक भी हो उठे। वहीं विसर्जन से पूर्व विवेकानंद चौक में हवन किया गया। हवन के बाद महा आरती हुई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जिसके बाद शोभायात्रा विवेकानंद चौक, मुख्य बाजार, पुरानी तहसील रोड, कबूतरखाना बस स्टैंड, स्टेशन रोड, कोर्ट रोड, तिरंगा स्थल, मुख्य बाजार, कल्याण राय मंदिर के पास से होते हुए गौशाला रोड पहुंची। यहां पर आखिरी आरती की गई। जिसके बाद कुएं के पास कुंड में मूर्ति जा विधिवत विसर्जन किया गया। वहीं पूरे रास्ते में डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते गाते हुए गणपति की भक्ति के रंग में रंगे हुए नजर आए। इस दौरान महेश शर्मा धन्ना, रोहिताश्व महला, संदीप फतेहपुरिया, रमेश मराठा, राजू मराठा, सोनू मराठा, जयराम, रमेश स्वामी, दिनेश मराठा, पवन, मकरंद, सुभाष पंवार, रमेश कोतवाल, अनूप धाबाई, शुभम शर्मा, नटवर कोतवाल, अश्विनी कोतवाल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सार-समाचार

जल महोत्सव रैली निकाली

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में स्काउट गाइड द्वारा जिला कलेक्टर परिसर से राजस्थान जल महोत्सव 2024 अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन रैली का आयोजन किया गया। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि रैली प्रारंभ होने से पहले एडीएम रामरतन सौंकरिया ने स्काउट्स गाइड्स को संबोधित करते हुए कहा कि जल संरक्षण समय की महत्ती आवश्यकता है। क्योंकि वर्तमान परिपेक्ष में जल काफी गहराई तक चला गया है तथा पृथ्वी के भूभाग में पीने योग्य जल की मात्रा बहुत कम है। इसलिए जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन नहीं करते जल का सदुपयोग करें एवं स्काउट गाइड के माध्यम से आमजन को प्रेरित किया जाए कि वह जल का संरक्षण करें। इस दौरान एडीएम ने स्काउट गाइड्स को जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा मनोज ढाका, जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता अभिषेक कुमार सैनी, सीओ स्काउट महेश कालावत आदि ने विचार व्यक्त किये। राजस्थान जल महोत्सव रैली के अंतर्गत 23 विद्यालयों के 250 से अधिक स्काउट गाइड ने सहभागिता की। रैली को अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो कलेक्टर सर्कल, नगर परिषद, बस स्टैंड, जेपी जानूं स्कूल होते हुए स्काउट गाइड कार्यालय पहुंची।

रामदेव मंदिर में मेला भरा

बीदासर, (निसं)। लोक देवता बाबा रामदेव की दशमी के उपलक्ष में कस्बे के गणगौरी चौक स्थित बाबा रामदेव मंदिर में मेला भरा। मेले के चलते मंदिर प्रांगण में भक्तो की दिनभर चहल पहल रही। मंदिर प्रांगण में प्रात: से ही श्रद्धालुओं का आने का क्रम शुरू हो गया जो देर शाम तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में धोक लगाकर खीर चूरमा नारियल जलेबी पतासा का भोग लगाया तथा सुख-समृद्धि की कामना की। बाबा की दशमी को लेकर मंदिर प्रांगण की विद्युत स्वचालित यंत्रों से रंग बिरंगी सजावट की गई। वही कस्बे के अनेक रामदेव मंदिरों में भी दशमी के उपलक्ष पर भक्तों की चहल-पहल रही।

जागरण में थिरके गोगा भक्त

चूरू, (निसं)। सरदारशहर रोड़ स्थित जाहरवीर गोगाजी महाराज पीपलाणा धाम में गुरुवार को भव्य रात्री जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मेड़ी के भगत बनारसी लाल सोनी ने गोगा पीर की ज्योत प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान गायक कलाकार श्यामलाल ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया। स्थानीय कलाकारों ने भी गोगा पीर के भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। जागरण में गोगा भक्तों ने डेंरू की धुन पर हाथों में निशान लेकर भव्य नृत्य किया। इस अवसर पर श्रवण कुमार, बनवारी लाल, मोहन सैनी, शुभकरण, हरिराम, सत्तार खान, बाबू खान आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई।

गणेश महोत्सव का समापन

चूरू, (निसं)। जिला मुख्यालय के वार्ड 32 स्थित शिव कॉलोनी में शिव मित्र मंडल की ओर से चल रहे सात दिवसीय गणेश महोत्सव का समापन शुक्रवार को मूर्ति विसर्जन के साथ हुआ। इस दौरान भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल महिला व पुरुष नाचते-गाते और एक दूसरे को गुलाल लगाकर खुशी का इजहार करते दिखाई दिये। शोभायात्रा डीजे के साथ शिव कॉलोनी स्थित शिवालय से रवाना होकर धर्म स्तूप, राम मन्दिर, गढ़ चौराहा होते हुये मुख्य मार्गो से सवाई सागर बगीची पहुंची। जहां मूर्ति का विधिवत विसर्जन किया गया। इस अवसर पर शिव मित्र मंडल के मनोज गुर्जर, कमल सैनी, मयंक सैनी, मोहित सैनी, दिनेश शर्मा, राजेश वर्मा, देव जांगिड़, रिपुदमन प्रजापत, हर्ष व आनंद सैनी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

चोरी के मामले का खुलासा करने की मांग

चिड़ावा, (निसं)। शहर की सेही रोड पर बालाजी मंदिर के पास बैंक कर्मचारी मुकेश शर्मा के घर लाखों की चोरी के मामले का खुलासा करने की मांग उठ रही है। इस संबंध में शुक्रवार को में महावीर इंटरनेशनल इंद्रधनुष संस्थान के बैनर तले लोगों ने डीएसपी विकास धींधवाल को ज्ञापन सौंपा। जिसके माध्यम से चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि 12 सितंबर 2024 को दोपहर करीब 12:00 बजे चार संदिग्ध युवक बैंक कर्मी मुकेश के घर के इर्द-गिर्द घूम रहे हैं। संभवत युवकों ने घर से करीब 120000 रुपए नगद और सोने चांदी के गहने चुरा लिएउन्होंने बताया कि चारों संदिग्ध युवकों के फुटेज भी मिल चुके हैं ऐसे में आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को सहूलियत में मिलेगी। डीएसपी ने जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर संस्थान अध्यक्ष डॉक्टर एलके शर्मा, मुकेश जलिंद्रा, विक्रम शर्मा, मुकेश शर्मा, दिनेश कुमार, सज्जन गोदारा सहित अन्य मौजूद थे।

8 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की

झुंझुनूं, (निसं)। सामाजिक संस्था एफर्ट्स ने पांचवां स्थापना दिवस अंबेडकर भवन में मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के जरूरतमंद 44 बच्चों को आठ लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीएम रामरतन सौंकरिया थे। जबकि सीडीईओ अनुसूईया सिंह, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. भंवरलाल सर्वा, सीओ स्काउट महेश कलावत, महेश जीनगर, लीलाधर चौहान, गौरव सैनानी ओमप्रकाश भूरिया, रविंद्र आल्हा, पूजा एवं डॉ. हिमांशु विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर एडीएम सौंकरिया ने बताया कि यह संस्था जिले में समाज को नई दिशा देने के लिए अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अपनी पहचान अपने कार्य से है। आज के वर्तमान समय में शिक्षा के दम पर ही हम अच्छा जीवन जी सकते हैं। इसलिए ज्यादा से ज्यादा मेहनत कर अच्छी शिक्षा लेकर उच्च पदों पर पहुंचना है। जिससे हम समाज को नई दिशा प्रदान कर सके। सीडीईओ अनुसुइया सिंह ने शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. बीएल सर्वा ने कार्यक्रम में आत्महत्या न करने की शपथ दिलाई। सीओ महेश कलावत ने बताया कि आज के युवा वर्ग को शिक्षा के साथ साथ सामाजिक सरोकारों में भी भाग लेना चाहिए।

'पीड़ित को अब शीघ्र मिलेगा न्याय'

झुंझुनूं, (निसं)। जिला एवं सेशन न्यायाधीश दीपा गुर्जर ने झुंझुनूं जिले के न्याय क्षेत्र में कार्यरत न्यायिक अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा है कि समस्त न्यायिक अधिकारी पुराने लंबित प्रकरणों का यथा संभव शीघ्र निस्तारण करें। जिससे पीड़ित पक्षों को शीघ्र न्याय मिल सके। गुर्जर ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में भी अधिकाधिक प्रकरणों का निस्तारण शीघ्र किया जाएगा। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि भावी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निस्तारण करने के लिए दोनों पक्षों को लोक अदालत में बुलाकर सहमति से मामलों का निस्तारण करें। वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी अधिकारियों ने विचार विमर्श कर न्याय प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी करने की बात भी कही। इस अवसर पर जिले के सभी न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

तेजाजी की मूर्ति का अनावरण

सुजानगढ, (नि.स.) वार्ड नं. 4 में चौधरी चरण सिंह कॉलोनी में स्थित जाट भवन में तेजा दशमी के अवसर पर कानाराम गुलेरिया के द्वारा लगाई गई वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण चूरू सांसद राहुल कस्वा व रतनगढ विधायक पूसाराम गोदारा एवं सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, विद्याधर बेनीवाल, पीसीसी सदस्य रामकरण गुलेरिया द्वारा किया गया। छोटूराम खीचड, हरजीराम गुलेरिया, सागरमल गुलेरिया, आशाराम गुलेरिया, नानूराम खोखर, लालचंद गुलेरिया, मगनाराम गुलेरिया, धीरूराम गुलेरिया, हरिसिंह जानू, रामकरण गुलेरिया, टीकमचंद मंडा, हनुमान मल भींचर, लक्ष्मणराम झाझडा, हरिओम खोड, अमरचंद जाखड, प्रहलाद जाखड, केसरमल बटेसर, मोहनलाल बुगालिया, नेमाराम बटेसर, गणपत डोगीवाल द्वारा किया गया।

गहलोत के गृह नगर जोधपुर में गरजे सचिन पायलट

अ.भा. कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने भजनलाल सरकार पर हमला बोला

- जोधपुर रेलवे स्टेशन पर और सर्किट हाउस पर पायलट के स्वागत के दौरान गहलोत खेमा गायब दिखा
- जोधपुर में इतनी दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं, जिससे लॉ एंड आर्डर पूरी तरह से बिखर गया है : पायलट

जोधपुर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट एक दिवसीय यात्रा पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह नगर जोधपुर पहुंचे। जोधपुर आगमन पर उनके समर्थकों ने रेलवे स्टेशन पर नारेबाजी कर स्वागत किया। सर्किट हाउस में स्वागत के दौरान उन्हें 51 किलो की माला पहनाई गई। रेलवे स्टेशन तथा सर्किट हाउस में कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा सचिन पायलट का जोधपुर आगमन पर सवेरे नौ बजे जोधपुर रेलवे स्टेशन पर और उसके बाद 10:30 बजे सर्किट हाउस पर स्वागत किया गया लेकिन स्वागत की कड़ी में गहलोत खेमा गायब दिखा। सर्किट हाऊस में कई कांग्रेसी नेताओं ने सचिन से मुलाकात की। जोधपुर सर्किट हाउस में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते उन्होंने प्रदेश की भजनलाल सरकार पर जमकर हमला बोला। पायलट ने कहा कि भजनलाल सरकार में कई पावर सेंटर बन गए हैं, संगठन कुछ बोलता है, सरकार कुछ बोलती है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद के बयान पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा का एक ही मुद्दा है, जब वे 400 की जगह 240 पर आकर अटक गए तो वे अब सिर्फ राहुल गांधी को टारगेट कर रहे हैं। विधानसभा के चुनाव चल रहे हैं और जनता का रुख कांग्रेस की ओर है इसलिए भाजपा के अंदर चिंता है। इस देश में कई ऐसे लोग हैं जिन्हें सरकार की सहायता की ज़रूरत है। आप (केंद्र सरकार) 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन देते हैं और अगर विपक्ष कहता है कि हम किसानों-गरीबों की मदद करना चाहते हैं तो आप उसे रेवड़ी कहते हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि आप खुद दें तो सही है और कोई दूसरा बोले तो ग़लत है, यह दोहरा मापदंड सही नहीं है। बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है। जनता में गहरा असंतोष है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पायलट ने कहा कि, जोधपुर में इतनी दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं, जिससे लॉ एंड आर्डर पूरी तरह से बिखर गया है। हर जिले में असामाजिक तत्व पांव पसार रहे हैं। सरकार में मल्टीपल पावर सेंटर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि, किसी को पता नहीं है कि वो मंत्री है या नहीं, सरकार कुछ बोलती है, संगठन कुछ बोलता है। बहुत जल्द ही सरकार में बिखराव हो गया। इसका नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है, जिन कामों के वर्क आर्डर हमारी सरकार देकर गई थी, वो भी पूरे नहीं हो सके। पूरी तरह से सरकार विफल हो चुकी है।

सीएम भजनलाल के न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश जाने के सवाल पर पायलट ने कहा कि, यह कानूनी मामला है, ऐसे में मैं यह जानता हूं कि प्रदेश में जनता के कार्य प्राथमिकता होना चाहिए। शिक्षा, चिकित्सा, शहरी व ग्रामीण विकास अगर नहीं हो रहा है तो यह प्रबंधन की इच्छा शक्ति की कमी और ब्यूरोक्रेसी पर अपना प्रभाव रखने की कमी सरकार में मुझे नजर आ रही है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार एक देश एक चुनाव का नारा दे रही थी, लेकिन चार राज्यों का चुनाव एक साथ नहीं करवा पा रही है। हरियाणा और कश्मीर में चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। भाजपा की दस साल की हरियाणा की सरकार का जाना तय है। दोनों जगह हमारी सरकार बनेगी। जम्मू-कश्मीर में हम गठबंधन के साथ हैं। पायलट ने कहा कि राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अब संसद के मुद्दे विपक्ष तय कर रहा है. सरकार को कई मुद्दों पर बैकफुट पर आना पड़ा है।

आरपीएससी भंग करने की पायलट की मांग पर किरोड़ीलाल मीणा के बयान पर उन्होंने कहा कि अगर सरकार की इच्छाशक्ति हो तो भंग किया जा सकता है। चुनाव से पहले तो बड़ी-बड़ी बातें किया करते थे, लेकिन जब आरपीएससी भंग करने की बात आती है तो हर कोई किनारा कर रहा है। आरपीएससी पर लोगों का अब विश्वास नहीं रहा। फोन टैपिंग मामले में पायलट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बारे मे सरकार जाने वही बता सकती है। वन स्टेट-वन इलेक्शन पर पायलट ने कहा कि चुनाव एक साथ कैसे संभव हो सकता है। भाजपा जब भी आती है कोई ना कोई शिगूफा छोड़ देती है। उन्होंने कहा कि सरकार कौन चला रहा है, कुछ समझ नहीं आ रहा है। कभी कोई नेता कुछ कह जाता है तो कभी कोई। सरकार में आपसी तालमेल नहीं है। इस वजह से बेतुके बयान सामने आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास ठप पड़ा है। जिन कामों के हम टेंडर देकर गए थे, उनका काम भी ये नहीं करवा पा रहे हैं।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर पायलट ने कहा कि प्रदेश के हालातों पर जनता परेशान हो रही है। कानून व्यवस्था बिगड़ रही है और सरकार का कोई इसका वास्ता तक नहीं। प्रत्येक जिले में कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है। बच्चियों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है, लेकिन कानून का शिकंजा कसने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करती है। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर बढ़ते दबाव से पायलट ने किनारा करते हुए कहा कि ममता सरकार को कांग्रेस का साथ नहीं है। दुष्कर्म जैसी घटनाओं पर सरकार को कठोर कानून बनना चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पायलट ने कहा कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रचंड बहुमत से जीतेगी। भाजपा की नीतियों से जनता ऊब चुकी है,जनता अब कांग्रेस को बहुमत देगी।

खेजड़ली स्थित 363 शहीदों के बलिदान स्थल पर मेला लगा

मेले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे

- जोधपुर और आसपास के जिलों के अलावा मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा से भी समाज के लोग पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के खेजड़ली स्थित 363 शहीदों के बलिदान स्थल पर शुक्रवार को मेले का आयोजन हुआ। इस मेले में जोधपुर और आसपास के विभिन्न जिलों के अलावा मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा राज्यों से भी समाज के लोग पहुंचे और शहीद स्थल पर पहुंच कर शहीदों को नमन किया। इसके बाद हवन कुंड में आहुतियां देकर परिक्रमा की। मेले में शामिल होने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे और शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मेले को लेकर लोगों में अपार उत्साह नजर आया। सुबह से ही समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा पहनकर खेजड़ली धाम पहुंचना शुरू हुए। यहां हवन कुंड में नारियल की आहुति देकर पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की रक्षा करने का संकल्प लिया। समाज के लोगों ने गुरु जंभेश्वर के नवनिर्मित मंदिर में मत्था टेककर उनके बताए मार्गों पर चलने का आव्हान किया। मेले के चलते जोधपुर के गुढ़ा रोड पर वाहनों की भारी भीड़ नजर आई। करीब दो किलोमीटर तक वाहनों का जाम लग गया। मेले में आए लोगों ने हवन कुंड की परिक्रमा भी की। शहीदी स्थल पर सुबह ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद खुला अधिवेशन भी रखा गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के पर्यावरणप्रेमी शामिल हुए। यहां पर पिछले सात दिन से कार्यक्रम चल रहे थे। गुरुवार को मंदिर प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ था। मेले में शामिल होने आई महिलाओं ने लाखों रुपए कीमत के गहने भी पहने। बच्चों बूढ़ों, महिलाओं सभी में अपार उत्साह नजर आई।

सरप्लस 37 हजार शिक्षकों का समायोजन फिर अटका

- माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने शिक्षा विभाग में बड़ी तादाद में अधिशेष चल रहे शिक्षक और कर्मचारियों के समायोजन के आदेश पर रोक लगाई

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग के विभिन्न स्कूलों में सरप्लस चल रहे 37 हजार शिक्षकों का समायोजन एक बार फिर अटक गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने शिक्षा विभाग में बड़ी तादाद में अधिशेष चल रहे शिक्षक और कर्मचारियों के समायोजन के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिशेष शिक्षकों और कार्मिकों की जिलेवार सूचना एक अलग फॉर्मेट में दोबारा मांगी गई है। सभी जिलों को यह सूचना तुरंत भेजनी है। यह लिस्ट शिक्षा निदेशालय पहुंचने के बाद पता चलेगा कि राजस्थान में कहां, कितने, किस ग्रेड के शिक्षक व कार्मिक सरप्लस है। इसके बाद में नए सिरे से समायोजन की तिथि व कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

शिक्षा निदेशक ने राज्य के सभी संयुक्त निदेशक और जिला शिक्षा अधिकारियों को भेजे पत्र में सरप्लस शिक्षक और कर्मचारियों की सूचना मांगी है इसके लिए बाकायदा एक फॉर्मेट भी जारी किया गया है इस फॉर्मेट में सरप्लस शिक्षकों के नाम, कर्मचारी आईडी, सब्जेक्ट, कार्यस्थल, जिला अधिशेष होने की तिथि आदि के संबंध में पूछा गया है।

शिक्षा विभाग में स्कूल क्रमोन्नत होने और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम में बदलाव होने से लगभग 37 हजार शिक्षक कार्मिक अधिशेष हो गए हैं। इन शिक्षकों का रिक्त पदों पर समायोजन पिछले डेढ़ साल से नहीं हो सकता है। पिछले महीने शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किए थे बाद में रोक लगा दी गई। इसके बाद 9 सितंबर को प्रारंभिक और माध्यमिक दोनों शिक्षा निदेशकों के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी आदेश में 26 सितंबर तक सरप्लस शिक्षकों के समायोजन के निर्देश दिए गए। 12 सितंबर को माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने आदेश जारी कर इस प्रक्रिया को आगामी आदेश तक फिर रोक दिया है।

महेंद्र पांडे, मुख्य महामंत्री, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने बताया कि 37 हजार सरप्लस शिक्षकों का समायोजन नहीं होने से स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था बिगड़ी हुई है। शाला दर्पण पोर्टल पर सारी सूचनाएं अपडेट है। बावजूद इसके रिक्त पदों की सूचना बार-बार मंगवाई जा रही है। समायोजन में विलंब का संगठन विरोध करता है।

श्रवण पुरोहित, प्रदेश मंत्री, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत का कहना है कि पूर्व तैयारी के अधिशेष शिक्षकों का समायोजन सम्भव नहीं हो सकता। विभाग को क्रमबद्ध रूप से पदोन्नति का कार्य पूर्ण कर, विकल्प के आधार पर सेटअप परिवर्तन करने के बाद अधिशेष शिक्षकों का समायोजन करना चाहिए। जो शिक्षक और विभाग दोनों के हित में होगा।

38 लाख के नकली नोट सहित उपकरण बरामद, सात गिरफ्तार

- मुख्य आरोपी ने बताया कि जब्त नकदी बाजार में चलाने का प्लान तैयार किया जाना था

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान एक मकान पर दबीश देकर अड़तीस लाख के नकली नोटों का जखीरा व उपकरण बरामद कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि 12 सितंबर को प्रतापनगर थाने के कांस्टेबल बनवारीलाल एवं शंकरलाल के माध्यम से थानाधिकारी भरत योगी को सूचना मिली कि देबारी वैशाली नगर में प्रकाश लखारा निवासी कानोड़ के मकान में फर्जी नोट बनाने का कारोबार चल रहा है, जहां रहने वाले रोनक रातलिया, राहुल लौहार व साथी काम करते हैं जो कभी भी भाग सकते हैं।

इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी पुलिस दल ने मौके पर दबीश देकर वहां मौजूद राहुल लौहार, रोनक जैन व विधि से संघर्षरत एक बाल अपचारी के कब्जे से 26 लाख 50 हजार रूपये की जाली नोट व जाली नोट बनाने के उपकरण जब्त कर राहुल लौहार पुत्र राजमल लौहार निवासी सरवानिया थाना कानोड़, रोनक रातलिया पुत्र भगवतीलाल रातलिया निवासी नया बाजार कानोड़ व अजय भारती पुत्र बाबू भारती निवासी संगेसरा थाना मंगलवाड़ चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया। इधर आरोपियों से की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान अधिकारी सविना थानाधिकारी अजय सिंह राव के नेतृत्व में गठित दल ने लखन उर्फ कालु पुत्र छगनलाल मालवीय निवासी नान्दलेटा पिपलोदा रतलाम एमपी, समीर मंसुरी पुत्र सलीम मंसुरी, शहजाद शाह पुत्र अकबर शाह फकीर निवासी नांदलेटा पिपलोदा रजलाम एमवी, बबलु उर्फ समीर जाट पुत्र गणेश जाट निवासी चारभुजा मंदिर के पास मलाण सुभाषनगर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 500-500 के जाली नोट 10 लाख 20 हजार रूपये बरामद किए।

पूछताछ में मुख्य आरोपी राहूल ने बताया कि जल्द पैसे वाला बनने के लिए मर्चेन्ट नेवी में नौकरी करने की झूठी बात घर वालों बताई थी। इस काम के लिए गणेशलाल चौधरी निवासी भीलवाड़ा से पहचान हुई। जिसके साथ मिल कर नकली नोट बनाने का प्लान तैयार कर प्रिंटिंग मशीन, रंगीन प्रिंटर, बैंक नोट पेपर की शीट, नोट काटने का कटर मंगवाये तथा रोनक जैन के किराये के मकान में सेटअप लगा कर काम शुरू किया। मौके से जब्त नकदी बाजार में चलाने का प्लान तैयार किया जाना था। इसके लिए राहुल ने अपनी योजना में रोनक, अजय भारती, बबलु, शहजाद समीर मंसुरी व लखन को शामिल गया। प्रायोजित तौर पर देबारी स्थित मित्र के मकान पर रखकर बाजार में चलाने एवं नोट बनाने की योजना थी। राहुल ने बताया कि इससे पूर्व साथियों के साथ मिल कर कानोड़ के नामी डॉक्टर का किडनेप करने की फिराक में था।

महिला उपजिला कलेक्टर व महिला के बीच झड़प

- महिला उपजिला कलेक्टर के महिला ने बाल खींचे
- खातेदारी जमीन पर बने धर्मकांटे को हटाने गई थी महिला उपजिला कलेक्टर
- गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम इलाके के नाद गांव का मामला

करौली, (निसं)। खातेदारी जमीन पर बने धर्मकांटे को हटाने गई महिला उप जिला कलेक्टर और एक महिला के बीच झड़प हो गई। इस दौरान महिला ने उप जिला कलेक्टर के बाल खींच लिए। मामला गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम इलाके के नाद गांव का है। प्रशासन धर्मकांटे को नियमों के खिलाफ बताकर गुरुवार को शाम करीब चार बजे कार्रवाई करने गया था।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान ही प्रशासन और मौके पर मौजूद लोगों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान एक महिला उप जिला कलेक्टर से उलझ गई और उनके बाल खींच लिए। हालांकि मामले को लेकर किसी भी पक्ष ने रिपोर्ट नहीं दी है। वीडियो सामने आने के बाद टोडाभीम उप जिला कलेक्टर सुनीता मीणा ने बताया कि प्रशासन गांव में अतिक्रमण हटाने गया था। इस दौरान लोगों ने विरोध किया तो आपस में कहासुनी हो गई। इस बात को तूल नहीं दिया जाए। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि प्रशासन जिसे अतिक्रमण बताकर कार्यवाही करने पहुंचा है वह खातेदारी कि जमीन है। जो वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है उसमें उप जिला कलेक्टर मीना पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर दिख रही हैं। कार्यवाही के दौरान उनकी वहां मौजूद लोगों से झड़प हो जाती है। इसी दौरान एक बुजुर्ग जेसीबी मशीन की ओर बढ़ता है तो उसे उप जिला कलेक्टर धक्का देते दिखाई देती हैं। इसके बाद विवाद बढ़ जाता है और मौके पर मौजूद एक महिला उप जिला कलेक्टर से झगड़ा करते हुए उनके बाल खींचने लगती है जिस पर पुलिसकर्मियों ने दोनों को अलग किया।

जानकारी के अनुसार टोडाभीम उप जिला कलेक्टर सुनीता मीणा का तबादला हाल ही में आई आरएएस की ट्रांसफर लिस्ट में सुनीता मीणा का टोडाभीम से तबादला हो गया है। उनकी जगह बारां में पदस्थापित पूजा मीणा टोडाभीम की नई उप जिला कलेक्टर बनी है। पूजा के चार्ज नहीं लेने के कारण अभी भी सुनीता मीणा यहां का पदभार संभाल रही है। इधर तहसीलदार ने मामले में कोई भी बयान देने से इनकार किया है।

महिला उप जिला कलेक्टर के बाल पकडकर उलझती एक ग्रामीण महिला।

करंट से दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया के भैसेर कोतवाली गांव में करंट लगने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस बारे में पुलिस ने मर्ग दर्ज किया और शवों को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। मथानिया पुलिस ने बताया कि भैसेर कोतवाली में रहने वाला 36 साल का पुखराज पुत्र श्रवण कुमार अपने खेत पर लगी विद्युत डीपी के अर्थ में पानी भर रहा था। तब उसे अचानक से करंट लगा और वह चिल्लाने लगा। इस पर उसके घर मिलने आया रिनिया मथानिया निवासी गोरखराम पुत्र सांवताराम जाट उसे बचाने का जतन करने लगा। मगर वह उसे बचा नहीं पाया और खुद भी करंट की चपेट में आ गया। इससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। परिजन को पता लगने पर मुख्य लाइन को बंद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया, मगर डॉक्टर ने दोनों को मृत बता दिया। इस बारे में मृतक पुखराज के चचेरे भाई मुराली पुत्र मदनलाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जोधपुर पहुंची

- दिया कुमारी ने खेजड़ली शहीदी मेले एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया

जोधपुर, (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी शुक्रवार को संक्षिप्त यात्रा पर जोधपुर पहुंची। उप मुख्यमंत्री दोपहर बारह बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंची जहां भाजपा कार्यकर्ताओं तथा अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद जोधपुर एयरपोर्ट से खेजड़ली शहीदी मेला स्थल के लिए रवाना हो गई।

इसके बाद दिया कुमारी ने खेजड़ली शहीदी राष्ट्रीय स्थल, जोधपुर में आयोजित शहीदी मेले एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया। वे खेजड़ली शहीदी स्थल से दोपहर जोधपुर पहुंची तथा सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी के निवास पर जाकर जोशी की माताजी राधा देवी जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री ने शोक सभा में पहुंचकर राधा देवी जोशी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया एवं शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। पत्रकारों से बातचीत करते राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में लगातार रेल दुर्घटनाएं कारित करने के प्रयास हो रहे हैं। इन घटनाओं पर नजर रखी जा रही है और हमारे मंत्री भी जागरुक और सजग है। ऐसी घटनाओं की पूरी जांच होगी दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के कई जिलों में लगातार रेल दुर्घटना करने के उद्देश्य से रेल की पटरियों पर कभी एक क्विंटल का सीमेंट का ब्लॉक रख दिया जाता है तो कभी पत्थर रखकर ऐसे प्रयास किया जा रहे हैं। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रेल पटरियों पर निगरानी रखने की है।

नाडी में डूबने से दो सगे भाइयों समेत तीन छात्रों की मौत

- तीनों बच्चे दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गए थे, खेल खत्म होने के बाद नाडी में नहाने उतरे और डूब गये
- मृतकों में हेमेंद्र और लोकेंद्र दोनों सगे भाई थे, जो कक्षा दसवीं व नवीं में पढ़ते थे, दोनों भाइयों के जाने के बाद सिर्फ बड़ी बहन बची है

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र स्थित हुरड़ा के निकट नाडी में डूबने से दो सगे भाई समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। तीनों बच्चे दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गए थे। खेल खत्म होने के बाद नाडी में नहाने उतरे और डूबने से उनकी मौत हो गई।

गुलाबपुरा थाना प्रभारी पूरणमल ने बताया हुरड़ा आगूचा मार्ग पर स्थित अंबेडकर छात्रावास के पीछे बराली नाडी है, जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ था। नाडी के पास ही खेल मैदान है, जहां तीनों बच्चे दूसरे साथियों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे। करीब 12 बजे मैच खत्म होने के बाद 17 वर्षीय प्रिंस पिता सत्यनारायण खटीक, हेमेंद्र (16) व उसका छोटा भाई लोकेंद्र (14) पिता रघुवीर दमामी पानी में नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान गहरे पानी में जाने से तीनों डूब गए। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम और थाना प्रभारी मौके पहुंचे और रेस्क्यू टीम के साथ तीनों बच्चों के शव को बाहर निकालने का प्रयास किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दो बच्चों के शव पानी से निकाले जा सके। उसके आधे घंटे बाद तीसरे बच्चे का शव भी बाहर निकाल लिया गया। तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में हेमेंद्र और लोकेंद्र दोनों सगे भाई थे, जो कक्षा दसवीं व नवीं में पढ़ते थे। उनके पिता रघुवीर दमामी आटे की चक्की चलाते हैं। इनके परिवार में दोनों भाइयों के जाने के बाद सिर्फ बड़ी बहन बची है। वहीं प्रिंस दसवीं कक्षा का छात्र था। पिता सत्यनारायण खटीक टैंपो चालक हैं। परिवार में प्रिंस सबसे छोटा था, जिसकी मौत के बाद परिवार में बड़ा भाई और बड़ी बहन है। तीनों बच्चों की मौत की खबर से पूरे गांव ने सनसनी फेल गई।

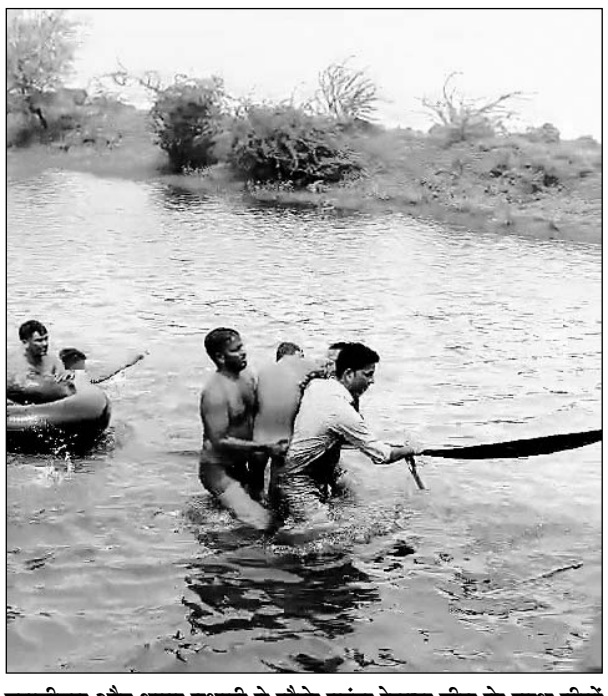

एसडीएम और थाना प्रभारी ने मौके पहुंच रेस्क्यू टीम के साथ तीनों बच्चों के शव को बाहर निकाला।

पीटीआई भर्ती 2018 में फर्जी डिग्रियों से नौकरी पाने का मामला सामने आया

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने छह पीटीआई के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। शारीरिक शिक्षक पीटीआई भर्ती 2018 में फर्जी डिग्रियों से सरकारी नौकरी पाने का मामला सामने आया है। बेरोजगार संघ बांसवाड़ा की ओर से आईजी बांसवाड़ा को दिए गए परिवाद की जांच के बाद डूंगरपुर जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने 6 पीटीआई के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

कोतवाली थानाधिकारी भगवान मेघवाल ने बताया कि सभी बेरोजगार संघ बांसवाड़ा की ओर से आईजी बांसवाड़ा को एक परिवाद दिया गया था। आईजी ने ये परिवाद डूंगरपुर एसपी को भेजा था। जिसमें पीटीआई भर्ती 2018 में डूंगरपुर जिले के अलग-अलग गांवों के 14 अभ्यर्थियों पर फर्जी डिग्री से पीटीआई बनने के आरोप लगाए थे। परिवाद की जांच डूंगरपुर एडिशनल एसपी ने जांच की थी। भेमई निवासी भूपेश पाटीदार, जयेश पाटीदार, घाटा का गांव निवासी सुधीर पाटीदार और सेमलिया घाटा निवासी नीरज पाटीदार फर्जी डिग्री वाले पाए गए। डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा की डिग्रिया फर्जी निकली। वहीं गडाजसराजपुर निवासी शिल्पा पाटीदार और दिलीप पाटीदार की डिग्रियों के बारे में अभी तक सम्बंधित विश्वविद्यालयों ने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करवाया है। इधर डूंगरपुर एडिशनल एसपी की जांच रिपोर्ट के बाद डूंगरपुर कोतवाली थाना पुलिस ने सभी 6 अभ्यार्थियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। परिवाद में पीटीआई के अलावा पटवारी, रीट और लाइब्रेरियन भर्ती में भी फर्जी डिग्री से नौकरी पाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस सभी मामलों की अलग से जांच में जुटी है।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीयकृत रोजगार सूचना (सीईएन) CEN संख्या 05/2024

सांकेतिक सूचना

गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियाँ (स्नातक) के विभिन्न पदों के लिए भर्ती

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न कोटियों के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13.10.2024 है । सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए।

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि: 14.09.2024
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 13.10.2024 23.59 PM

पदों के नाम	7वें सीपीसी में वेतन स्तर	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	आयु (01.01.2025 को)*	कुल अनुमानित रिक्तियां (सभी रेलवे भर्ती बोर्ड)
मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक, स्टेशन मास्टर	स्तर-6	35400	विस्तृत सीईएन में अनुलग्नक-A देखें	18-36 वर्ष	2730
मालगाड़ी प्रबंधक, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टंकक, वरिष्ठ लिपिक सह टंकक	स्तर-5	29200			5383
				कुल (सभी रे.भे.बो.):	8113

* इसमें कोविड 19 महामारी के कारण केवल एक बार लागू निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे सूचीबद्ध सभी भाग लेने वाले रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध विस्तृत केन्द्रीयकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 05/2024 देखें।

आरआरबी	वेबसाइट का पता	आरआरबी	वेबसाइट का पता
अहमदाबाद	www.rrbahmedabad.gov.in	कोलकत्ता	www.rrbkolkata.gov.in
अजमेर	www.rrbajmer.gov.in	मालदा	www.rrbmalda.gov.in
बेंगलुरू	www.rrbbnc.gov.in	मुंबई	www.rrbmumbai.gov.in
भोपाल	www.rrbbhopal.gov.in	मुजफ्फरपुर	www.rrbmuzaffarpur.gov.in
भुवनेश्वर	www.rrbbbs.gov.in	पटना	www.rrbpatna.gov.in
बिलासपुर	www.rrbbilaspur.gov.in	प्रयागराज	www.rrbald.gov.in
चंडीगढ़	www.rrbcdg.gov.in	रांची	www.rrbranchi.gov.in
चेन्नई	www.rrbchennai.gov.in	सिकंदराबाद	www.rrbsecunderabad.gov.in
गोरखपुर	www.rrbgkp.gov.in	सिलीगुड़ी	www.rrbsiliguri.gov.in
गुवाहाटी	www.rrbguwahati.gov.in	तिरूवनंतपुरम	www.rrbthiruvananthapuram.gov.in
जम्मू-श्रीनगर	www.rrbjammu.nic.in	***	****

यह अधिसूचना पूर्णत सांकेतिक है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन 05/2024 देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/ परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर केवल रेलवे भर्ती बोर्ड की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।।

संख्या: RRB/All/Advt./CEN-05/2024
दिनांक: 14.09.2024

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

वेडिंग, इन्सेंटिव, कांफ्रेंस और इवेंट थीम पर आर.डी.टी.एम. की शुरुआत

- 14 से 15 सितंबर तक बिड़ला ऑडिटोरियम में प्रदर्शित होंगे 200 से अधिक स्टॉल और 600 से ज्यादा होटल्स

जयपुर। घरेलू और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने, नए होटल व डेस्टिनेशन को प्रमोट करने के उद्देश्य से आयोजित चौथे राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट की राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में (आरआईसी) शुक्रवार को शुरुआत हुई। यह आयोजन फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय पर्यटन विभाग भी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने मार्ट का विधिवत उद्घाटन किया।

इस दौरान शासन सचिव पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व विभाग रवि जैन, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक राकेश शर्मा, आरटीडीसी एमडी श्रीमती सुषमा अरोड़ा, एफएचटीआर के प्रेसिडेंट ऑनर भीम सिंह, एफएचटीआर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, जनरल सेक्रेटरी सीए वीरेन्द्र सिंह शेखावत समेत टूरिज्म सेक्टर के विभिन्न स्टेक होल्डर्स मौजूद रहे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठा. रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की स्मृति में नियती कुमारी मंडावा, रोहिणी कुमारी मंडावा को पुरस्कृत किया गया। इसी के साथ सुधीर पाटिल, डॉ. ललित के. पवार व एफएचटीआर के प्रेसिडेंट ऑनर भीम सिंह को भी सम्मानित किया गया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को चौथे राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट का उद्घाटन किया।

उद्घाटन के साथ ही वेडिंग, इन्सेंटिव, कांफ्रेंस और इवेंट थीम पर आयोजित तीन दिवसीय आरडीटीएम का भव्य शुभारंभ हुआ। आगामी दो दिनों शनिवार और रविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में 200 से अधिक स्टॉल और 600 से ज्यादा होटल्स का प्रदर्शन होगा। इस मार्ट में बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) के साथ-साथ शाम 5 बजे से बिजनेस-टू-कस्टमर (बी2सी) बैठकें भी आयोजित की जाएगी, जिसमें आम जनता भी भाग लेकर अपने इवेंट के लिए होटल्स और सुविधाओं की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस आयोजन में देशभर से 1,300 खरीदारों और 7,000 से अधिक आगंतुकों की उपस्थिति की संभावना है।

उद्घाटन समारोह में डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्ट्रांग विजन के साथ प्रदेश में टुरिज्म को प्रमोट किया जाएगा, डबल इंजन की सरकार में राजस्थान विश्व पटल पर कीर्तिमान स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री के विजन के कारण ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन जयपुर आए, पीएम मन की बात व अन्य कार्यक्रमों में राजस्थान को प्रमोट करते ही, उनकी बात पूरी दुनिया सुनती है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही प्रदेश की नयी टुरिज्म पॉलिसी लायी जाएगी।

राहुल के वक्तव्य की देशभर में हो रही है निंदा : मदन राठौड़

- 'कांग्रेसी नेताओं को घेरने की जरूरत नहीं, कांग्रेसी तो अपनों से घिरे हैं'
- 'अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने पर कोर्ट ने कभी नहीं लगाई रोक, अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर प्रशासन की कार्रवाई रहेगी सुचारू'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राहुल गांधी और कांग्रेसी नेताओं की देशभर में हो रही निंदा, आलोचना का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेसी नेताओं को घेरने की जरूरत भाजपा को नहीं है। कांग्रेस पार्टी के नेता तो स्वयं अपनों में घिरे हुए है। राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत के नेतृत्व और आरक्षण जैसे विषयों पर अनर्गल बयान जारी करेंगे तो देश में उनके वक्तव्य की निंदा तो की जाएगी। वहीं भाजपा अपने परिवार को सुदृढ़ कर रही है इससे वे भयभीत हो रहे है इसमें तो कुछ नहीं किया जा सकता। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास जब कोई मुद्दा नहीं बचा तो वे बिना बात के विषय को मुद्दा बना रहे है। किसी भी मामले में अग्रिम जमानत में शर्तें होती है, जबकि रेगुलर बेल में शर्तें नहीं होती। ऐसे में उनका यह मुद्दा ही समाप्त हो गया।

राठौड़ ने सीएम के राईजिंग राजस्थान को लेकर किए गए सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थान में निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयास सराहनीय और उत्साहवर्धक है। पहले महाराष्ट्र में गए और करीबन 4.5 लाख करोड़ रूपए का निवेश का एमओयू साइन करके आए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जापान यात्रा से भी राजस्थान में अच्छे निवेश के संकेत मिल रहे है। जापान के बड़े समूह और निवेशकों ने सीएम को आश्वस्त किया है तो शर्मा ने भी राजस्थान में तमाम संसाधन मुहैया करवाने का विश्वास दिलाया। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में रोजगार बढाने के लिए वादों को पूरा करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। ऐसे में शनिवार को जापान दौरे से लौट रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का प्रदेशवासी पलक पावडे बिछाकर स्वागत करने के लिए तैयार है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश में चल रही बुलडोजर राजनीति पर कहा कि कोर्ट ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए कभी रोक नहीं लगाई। अतिक्रमण हटाना प्रशासन की प्राथमिकता है और रहेगी। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों पर भ्रष्टाचार के सवाल उठाने वालों को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मीकि पहले डाकू थे, लेकिन जब उन्हें ज्ञान का बोध हुआ तो वे महर्षि वाल्मीकि बन गए। उन्होंने कहा कि भाजपा में भ्रष्टाचार कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा जीरो टोलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और भ्रष्टाचारियों पर कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी।

ए.एन.एम. भर्ती में अनियमितता को लेकर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एएनएम भर्ती-2023 में कट ऑफ से अधिक अंक लाने के बावजूद भी ईडब्ल्यूएस वर्ग की महिला अभ्यर्थी को वरीयता सूची में शामिल नहीं करने पर चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक से जवाब मांगा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश अन्ना कुमारी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि 19 मई, 2023 को राज्य सरकार की ओर से एएनएम के 3736 पदों के लिए भर्ती निकाली गई। भर्ती में 12वीं कक्षा और एएनएम कोर्स में प्राप्त अंकों और अनुभव प्रमाण पत्र के अंकों को जोडते हुए मेरिट बनाई जानी तय की गइ। भर्ती में याचिकाकर्ता ने ईडब्ल्यूएस वर्ग में आवेदन किया। उसके पास इस वर्ग का प्रमाण पत्र भी है और वह राजस्थान की मूल निवासी भी है। याचिका में कहा गया कि गत 4 सितंबर को भर्ती की वरीयता सूची जारी की गई।

'राईजिंग राजस्थान के लिए मिल रहे सहयोग से विपक्ष बौखलाया'

- 'जापान यात्रा से लौट रहे सीएम भजनलाल शर्मा का जयपुर एयरपोर्ट और भाजपा प्रदेश कार्यालय पर होगा भव्य स्वागत'

जयपुर। भाजपा महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि राजस्थान के युवाओं के हर हाथ को रोजगार देने के उद्देश्य से राईजिंग राजस्थान के लिए जापान गए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जयपुर लौट रहे हैं। प्रदेश के युवाओं के लिए विदेश में जाकर रोजगार लाने का प्रयास करने वाले राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भारतीय जनता पार्टी की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जयपुर एयरपोर्ट पर प्रात: 11 बजे एवं भाजपा प्रदेश कार्यालय में अपराह्न 12 बजे प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड के साथ प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल और भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता भव्य स्वागत करेंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए शुक्रवार को तैयारियां शुरू की गई। स्वागत की तैयारियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित भाजपा पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गोठवाल ने बताया कि राईजिंग राजस्थान के लिए महाराष्ट्र प्रवास पर गए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 4.5 लाख करोड़ से भी अधिक के निवेश के लिए निवेशकों से एमओयू साइन किए है। मुख्यमंत्री शर्मा ने विदेश की धरती पर जाकर राजस्थान में उद्योग-धंधों को स्थापित करने के लिए बेहतर संसाधन, बेहतर विकल्प और केंद्र-राज्य सरकारों का पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन देते हुए निवेशकों को तैयार किया। ऐसे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता को देखते हुए विदेशी निवेशकों ने भरोसा जताया और राजस्थान में निवेश के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने निवेशकों को सरकार की तरफ से हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को राईजिंग राजस्थान के लिए देश-विदेश से मिल रहे सहयोग से विपक्ष बौखला गया हैं। कांग्रेसी नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे है। कांग्रेसी नेता ये भूल गए है कि उनके समय राजस्थान की दुर्दशा इतनी खराब हो गई थी कि कोई भी राजस्थान में निवेश करने को तैयार ही नहीं था। राजस्थान का युवा बेरोजगार था और राजस्थान में अपराध लगातार बढ़ता जा रहा था। आज कांग्रेसी गोपालगढ़ की बात कर रहे हैं जबकि राजस्थान की जनता जानती है कि गोपालगढ़ में कांग्रेस के नेताओं ने तुष्टीकरण की राजनीति अपनाई थी।

जांच अधिकारी के खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने से इनकार

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आपराधिक प्रकरण में जांच अधिकारी एएसआई के खिलाफ निचली अदालत की ओर से की गई टिप्पणियों को हटाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि निचली अदालत ने मामले में टिप्पणियां करने से पहले निर्धारित मापदंडों को पूरा किया है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश इस संबंध में एएसआई की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अदालत की ओर से किसी पर टिप्पणी करने को लेकर तीन पैरामीटर तय किए हैं। इसके तहत संबंधित को बचाव का अवसर मिलना, संबंधित के आचरण से संबंधित साक्ष्य मौजूद होना और आचरण पर टिप्पणी करने की जरूरत होने को लेकर निचली अदालत को देखना होता है। मामले में निचली अदालत ने इन तीनों पैरामीटर को पूरा किया है। वहीं अदालत ने माना की जांच अधिकारी की ओर से की गई लापरवाहीपूर्ण जांच ने सीधे तौर पर ट्रायल कोर्ट के समक्ष मामले को प्रभावित किया।

भजनलाल शर्मा, दिया कुमारी, सतीश पूनिया, वसुंधरा राजे, अर्जुन राम मेघवाल बने हरियाणा में स्टार प्रचारक

जयपुर। हरियाणा में विधानसभा चुनावों को देखते हुए स्टार प्रचारकों की सूची जारी हो गई हैं। 40 नेताओं की इस लिस्ट में प्रदेश के 5 नेताओं को भी जगह दी गई हैं। जम्मू-कश्मीर के बाद हरियाणा में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया हैं। वहीं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को स्टार प्रचारक बनाया गया हैं। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर अब ये नेता पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण के लिहाज़ से अलग-अलग सीटों पर इनकी सभाएं और रैलियां आयोजित की जाएगी।

प्रदेश से मोदी मंत्रिमंडल में 4 नेता शामिल हैं। लेकिन हरियाणा चुनाव में केवल एक केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी मिली है। इसकी वज़ह है हरियाणा में जाटों के बाद सबसे बड़ा दलित वोट बैंक।

शुरू से ही अर्जुनराम मेघवाल को पार्टी बड़े दलित नेता के रूप में प्रोजेक्ट करती आई है। पिछले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी ने मेघवाल को कानून मंत्री बनाकर यह मैसेज देने की कोशिश की थी कि बाबा साहेब अंबेडकर के बाद किसी सरकार ने पहली बार देश में दलित कानून मंत्री बनाया है। वहीं इस बार भी अर्जुनराम मेघवाल को कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब पार्टी ने दलित वोट बैंक को साधने के लिए अर्जुनराम मेघवाल को हरियाणा भेजा है।

पड़ौसी राज्य होने की वजह से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर हरियाणा बॉर्डर के 7 जिलों में आने वाली विधानसभा सीटों पर प्रचार की जिम्मेदारी होगी। राजस्थान से हरियाणा के 7 जिले सीमा साझा करते हैं। ये जिले सिरसा, फतेहबाद, हिसार, भिवाणी, महेन्द्रगढ़, रेवाडी और मेवात है। इन जिलों में प्रवासी राजस्थानी भी बड़ी संख्या में रहते है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि क्या वसुंधरा राजे हरियाणा चुनावों में प्रचार के लिए जाएगी। यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि लोकसभा चुनावों में भी राजे स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल थी। उन्होंने खुद को झालावाड़-बारां लोकसभा सीट तक ही सीमित रखा। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को भी हरियाणा में स्टार प्रचारक बनाया गया हैं। हरियाणा में करीब आधा दर्जन सीटों पर राजपूत वोटर निर्णायक भूमिका में हैं। ऐसे में संभवत प्रदेश का बड़ा राजपूत चेहरा होने की वजह से उन्हें जगह मिली है। लेकिन चर्चा यह भी है कि पार्टी ने दिया कुमारी को स्टार प्रचारक बनाकर उनका कद बढ़ाने की कोशिश की हैं। क्योंकि राजपूत चेहरे के रूप में तो वसुंधरा राजे को भी इन सीटों पर प्रचार की जिम्मेदारी दी जा सकती थी। वहीं राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया को भी स्टार प्रचारक बनाया हैं।

राजकिसान साथी परियोजना में प्रदेश का हर किसान पंजीकृत हो : राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भामाशाह डेटा सेंटर में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आधुनिकतम तकनीक को अपनाकर प्रदेश के नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता की सेवाएं तैयार करें, जिससे राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन सके। कर्नल राठौड़ ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने निर्देश दिया कि परिवर्तित बजट 2024-25 के तहत विभाग से संबंधित घोषणाओं का समयबद्ध और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भामाशाह डेटा सेंटर में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली।

आईस्टार्ट की समीक्षा के दौरान कर्नल राठौड़ ने कहा कि संभागीय स्तर पर इन्क्यूबेशन सेंटर को शीघ्रता से स्थापित किया जाए, जिसमें सभी आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध हों। उन्होंने एग्रीटेक और मेडिटेक क्षेत्रों में एक अग्रणी रिसर्च सेंटर की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। राजकिसान साथी परियोजना की समीक्षा में उन्होंने इस सुविधा को इस तरह तैयार करने के निर्देश दिए कि प्रदेश का हर किसान पंजीकृत हो और केन्द्र सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने ई-संचार, ई-वॉल्ट और ई-साइन जैसे कॉमन एप्लिकेशन के अधिक से अधिक उपयोग की बात की। ई-मित्र की समीक्षा करते हुए, कर्नल राठौड़ ने निर्देश दिया कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद सेवाओं को और सरल बनाया जाए ताकि आम नागरिक भी इसका लाभ उठा सकें। आईस्टार्ट के तहत नए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने की बात करते हुए, उन्होंने रोजगार सृजन और प्रदेश के आर्थिक विकास पर जोर दिया।

'जांच अधिकारी नहीं निभा सकता वकील की भूमिका'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीआरपीएफ कर्मचारी की सेवा समाप्ति से जुडे मामले में कहा है कि जांच अधिकारी वकील की भूमिका निभाता है तो इससे पूरी विभागीय जांच दूषित होती है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता के सेवा समाप्ति से जुडे 16 मार्च, 2002 के आदेश को निरस्त कर मामले में पुन: छह माह में निर्णय लेने को कहा है। जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश महेन्द्र सिंह की याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि मामले में जांच अधिकारी ने वकील के तौर पर काम किया और गवाहों से कई सवाल पूछे व उसी आधार पर जांच की गई। ऐसे में याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप साबित हुए और उसे सेवा से हटाया गया। जबकि सुप्रीम कोर्ट तय कर चुका है कि जांच अधिकारी निष्पक्ष रहेगा और वकील की भूमिका नहीं निभाएगा।

याचिका में कहा गया कि वह सीआरपीएफ में कार्यरत था। उसके खिलाफ जांच अधिकारी नियुक्त कर जांच आरंभ की गई। इस दौरान जांच अधिकारी ने गवाहों से कई सवाल पूछकर अपनी जांच रिपोर्ट दी।

हिंदी दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित होंगे डॉ. राजेश व्यास

डॉ. व्यास को ''कलाओं की अंतर्दृष्टि'' पुस्तक पर राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा ''हिंदी सेवी पुरस्कार''

जयपुर (कासं)। राजभवन में अतिरिक्त निदेशक (जनसंपर्क) डॉ. राजेश कुमार व्यास को उनकी पुस्तक कलाओं की अंतर्दृष्टि के लिए भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा राज्य स्तरीय समारोह में ''हिंदी सेवी पुरस्कार'' से सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय साहित्य अकादमी अवार्ड से सम्मानित डा. व्यास देश के जाने माने कवि, निबंधकार कला आलोचक और यात्रा वृतांतकार हैं। उनकी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक 25 मौलिक कृतियां प्रकाशित हैं।

हिंदी सेवी पुरस्कार के लिए चयनित डॉ. व्यास की पुस्तक कलाओं की अंतर्दृष्टि'' नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा प्रकाशित है। यह कलाओं की मौलिक भारतीय चिंतन परंपरा की आधुनिक दृष्टि है। इसमें उन्होंने भारतीय कलाओं से जुड़ी परंपरा का गहन शोध करते हुए अपनी मौलिक विचार दृष्टि में उसे व्याख्यायित किया है। डॉ. राजेश कुमार व्यास भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और कलाओं के मौलिक चिंतक के रूप में जाने जाते हैं। दूरदर्शन ने उनके शोध और आलेख पर आधारित धारावाहिक ''डेजर्ट कॉलिंग'' बनाकर प्रसारित किया है। भारतीय लेखक प्रतिनिधि मंडल के अंतर्गत उन्होंने फ्रांस, जर्मनी, नेपाल आदि देशों की सांस्कृतिक यात्राएं की हैं।

उनके यात्रा वृतांत नर्मदे हर, कश्मीर से कन्याकुमारी तथा आँख भर उमंग भी बहुत चर्चित रहे हैं। केंद्रीय साहित्य अकादमी अवार्ड के अलावा उन्हें भारत सरकार का प्रतिष्ठित राहुल सांकृत्यायन अवार्ड, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र का कोमल कोठारी अवार्ड, राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी का शिखर सम्मान और अन्य बहुत से पुरस्कार समय समय पर मिलते रहे हैं। केंद्रीय ललित कला अकादमी की पत्रिका ''समकालीन कला'', राजस्थान ललित कला अकादमी की पत्रिका ''आकृति'' के वह अतिथि संपादक और राजस्थान सरकार की मासिक पत्रिका ''सुजस'' के वह संपादक रहे हैं।

टीपू खान फ्रांस में फहराएंगे भारतीय कला का परचम

हिंदी दिवस के मौके पर फ्रांस में गूंजेंगे जयपुर के सुर

जयपुर। फ्रांस के लिगुइल शहर में हिंदी दिवस पर आयोजित होने वाले परकशन (तालवाद्य) पर्क्यू फोलीज़ म्यूजिक फेस्टिवल में जयपुर के सुर गूजेंगे। मौका होगा, जयपुर बेस्ड इंटरनेशनल आर्टिस्ट टीपू खान की लोक-संस्कृति पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति का। इस दौरान देश-विदेश के कलाकार जहां अपनी रिद्म बेस्ड परकशन की प्रस्तुतियां देंगे, वहीं टीपू खान तबले की तिरकिट-धिरकिट और राजस्थानी मांड को अपने सुरीले कंठों में सजाकर विदेशी पावणों को राजस्थान आने का न्यौता देंगे।

विश्व पटल पर संगीत के जरिए अमिट छाप छोडने वाले जयपुर के दिग्गज कलाकार टीपू ख़ान फ्रांस गवर्नमेंट की ओर से आयोजित फेस्टिवल में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका यह कार्यक्रम 14 सितंबर भारतीय समय अनुसार शाम 7 बजे से होगा। फेस्टिवल में टीपू खान गायन के साथ तबला वादन और फ्यूजन संगीत का अनूठे अंदाज में प्रदर्शन करेंगे। फ्रांस की धरती पर उनके साथ में विदेशी कलाकार गिटार की धुनों पर जुगलबंदी पेशकर फ्यूजन संगीत के जरिए भारतीय संगीत का परचम लहराएंगे।

जयपुर के मशहूर संगीत के घरानेदार परिवार से ताल्लुक रखने वाले टीपू खान अपने संगीत के खानदानी परिवार की सातवीं पीढ़ी के कलाकारों में से एक है। उन्होंने मात्र छह साल की उम्र से ही संगीत सीखना शुरू किया था। उन्हें संगीत की तालीम विरासत में मिली है। उनके पहले गुरु दादा उस्ताद रसूल खां और पिता उस्ताद रफीक मोहम्मद है। टीपू खान ने पिछले 15 सालों में फ्रांस, इटली, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम, हांगकांग, स्पेन, यूरोप सहित करीब 90 देशों में अपनी कला के झंडे गाड़े हैं। उन्होंने अपनी आठवीं पीढ़ी के रूप में बेटे सोहेल खान को भी संगीत की शिक्षा दी है, जो इन दिनों अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

टीपू खान को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति के अलावा भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के समक्ष भी अपनी कला का प्रदर्शन करने का सौभाग्य मिल चुका है।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय

जयपुर। गुलाबी नगर जयपुर में श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में शुक्रवार को अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महापरिषद के राष्ट्रीय सभापति नीरज चतुर्वेदी ने बताया कि इन निर्णयों में आगरा से एक संवाद यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा कानपुर, लखनऊ, इलाहाबाद और बनारस जाकर समाज बंधुओ से समाज उत्थान के लिए सुझाव लेगी।

राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रभारी क्षेत्रों का दौरा कर सदस्यता अभियान बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। जिला प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी अपने परिवार जनों की सदस्यता सुनिश्चित करेंगे। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में सुकन्या सुरक्षा निधि कलश के माध्यम से ऐसी बालिकाओं के उत्थान का कार्य हाथ में लिया गया है जिनके पिता कोरोना काल में काल का ग्रास बने। समाज ऐसी बालिकाओं को गोद लेकर उनके संपूर्ण अध्यापन से लेकर विवाह तक की जिम्मेदारी लेगा। इसके अलावा युवाओं के लिए महिला और पुरुष वर्ग में बैडमिंटन तथा क्रिकेट प्रतियोगिताओं का जिला स्तर, प्रदेश स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। महापरिषद के प्रदेशाध्यक्ष हृदयेश चतुर्वेदी और महामंत्री पीयूषपाणि चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान प्रांत का अधिवेशन शनिवार को जयपुर में होगा।

बालिग होते ही युवती ने घर छोड़ा

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में बालिग होते ही एक युवती घर छोड़कर निकल गई। युवती परिजनों को मार्केट जाने का कहकर निकली और मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। परिवार ने सुबह उसे बर्थ-डे विश किया था।

आमेर सागर से निकल कर मंदिर में पहुंचा मगरमच्छ

जयपुर। आमेर के सागर बांध से एक मगरमच्छ बाहर निकल कर पास में स्थित भैरव मंदिर में पहुंच गया। मंदिर के बाहर पार्किंग में खडी कार के नीचे मगरमच्छ देखकर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ के मुंह पर बोरी डालकर उसे रेस्क्यू किया। जिसके बाद नाहरगढ़ स्थित बायोलॉजिकल पार्क में छोड़ दिया। आमेर सागर बांध से शुक्रवार को एक मगरमच्छ बाहर निकल कर हर्षनाथ भैरव मंदिर पहुंच गया। इसी दौरान कुत्ते उसके पीछे पड़ गए और मगरमच्छ मंदिर की पार्किंग में खड़ी कार के नीचे घुस गया। इसी दौरान मंदिर में भैरव जी के दर्शन करने पहुंचे ओम प्रकाश ने कार के पास कुत्तों को भौकते हुए देखा। इस पर ओम प्रकाश ने कार के नीचे झुक कर देखा तो मगरमच्छ बैठा हुआ दिखाई दिया।

250 से अधिक मनोचिकित्सक दो दिन जयपुर में करेंगे मंथन

राजस्थान साइकाइट्रिक समिति का 39वां वार्षिक अधिवेशन 14 व 15 सितंबर को

जयपुर (कासं)। राजस्थान साइकाइट्रिक समिति का 39वां वार्षिक अधिवेशन 14 व 15 सितंबर को होटल क्लार्क आमेर के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. मनस्वी गौतम ने बताया कि इस अधिवेशन में राजस्थान के 250 से अधिक मनोचिकित्सक भाग लेंगे। अधिवेशन में मुख्य रूप से मनोचिकित्सा में कृत्रिम बुद्धि के उपयोग, मनोचिकित्सा में कानूनी प्रक्रिया विषयों पर व्याख्यान होंगे तथा शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

राजस्थान साइकाइट्रिक समिति के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश जैन ने बताया कि कांफ्रेंस के दौरान 12 अवार्ड पेपर्स एवं वर्कशॉप आयोजित की जाएगी तथा विभिन्न विषयों पर आमंत्रित व्याख्यान होंगे। इस्टोनिया के प्रोफेसर डॉ. एडुआर्ड मारेन कृत्रिम बुद्धि की तकनीक का मनोचिकित्सा पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान देंगे। इबहास दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. निमेष देसाई मानसिक स्वास्थ्य कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोचिकित्सा में इंश्योरेंस कंपनियों की भूमिका विषय पर व्याख्यान व परिचर्चा करेंगे। उदयपुर के डॉ. मनु शर्मा को इस वर्ष का डॉ. शिव गौतम ओरेशन अवार्ड प्रदान किया गया है।

खाने में जहर मिलाकर दुल्हन फरार, परिवार के छह लोग गंभीर

पड़ोस में रहने वाले परिजनों ने परिवार के आधा दर्जन लोगों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया

बूंदी (निसं)। जिले के दबलाना थाना क्षेत्र के रुणीजा पंचायत के धारधड़ी गांव में दुल्हन द्वारा परिवार के लोगों को खाने में जहर देकर फरार होने का मामला सामने आया है। इसके बाद पड़ोस में रहने वाले परिजनों ने परिवार के आधा दर्जन लोगों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां सभी का इलाज जारी है। वहीं बूंदी पुलिस द्वारा दबलाना थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी गई है।

रुणिजा के पूर्व सरपंच कैलाश गुर्जर ने बताया कि शुक्रवार सुबह जब घर के बाहर दरवाजे की कुंडी लगी हुई दिखी और परिवार के लोग देर तक भी नहीं उठे तो पड़ोस में रहने वाले परिवार के लोगों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो परिवार के सभी लोग बेसुध

फरार दुल्हन।

- दुल्हन घर से क्या लेकर फरार हुई, इसका पता परिजनों के होश में आने के बाद ही चल सकेगा

पड़े हुए थे जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। वहीं मौके से 15 दिन पूर्व नाते आई दुल्हन मंजू गायब मिली। गुर्जर ने बताया कि दुल्हन मंजू ने रात को सभी को खाना खिलाया था जिसमें कुछ जहरीला पदार्थ मिला दिया, जिससे सभी की यह हालत हुई। मौके से मंजू के पति दुर्गा शंकर की बाइक भी गायब है, मंजू को बाइक चलानी आती है और वह बाइक लेकर ही फरार हुई है।

जिला अस्पताल चौकी कार्यरत कांस्टेबल केशव ने बताया कि शुक्रवार सुबह परिवारजन व ग्रामीण 6 लोगों को लेकर जिला अस्पताल आए जिनकी हालत गंभीर बनी हुई थी।

28 अगस्त को नाते से लाए थे दुल्हन :- पूर्व सरपंच कैलाश गुर्जर परिजनों ने बताया कि इनकी बहू ने इन्हें जहरीला पदार्थ खिला दिया और फरार हो गई। कांस्टेबल ने बताया कि दबलाना थाना क्षेत्र के धारधउड़ी निवासी मुखराज गुर्जर (24), कान्हा गुर्जर (55), दुर्गा शंकर (24), रेशमा (23), कैलाश बाई (48) वर्ष व दिवांशु (5) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जिनका इलाज जारी है। वहीं चिकित्सकों के अनुसार सभी की हालत खतरे से बाहर है। दबलाना थाना पुलिस को सूचना दे दी है आगे की कार्रवाई दबलाना थाना पुलिस आकर करेगी। वहीं दुल्हन घर से क्या लेकर फरार हुई इसका भी पता परिजनों के होश में आने के बाद ही चल सकेगा।

ने बताया कि परिवार के लोग दुर्गा शंकर के लिए बूंदी जिले के जजावर के पास भीमगंज से नाते से दुल्हन मंजू को लेकर आए थे। तब से वह यही अच्छे से घर में रह रही थी।

परिजनों के अनुसार मंजू की मां दो दिन पहले मंजू से मिलने आई थी उसे समय उसने मंजू को एक सफेद पुड़िया कागज की दी थी ।परिजनों ने पुड़िया के बारे में पूछा तो उसने देवता की भभूत बताया। सम्भवतया मंजू ने वही जहरीली पदार्थ की पुड़िया खाने में मिलाकर परिजनों को जहर दिया और मौके से बाइक लेकर फरार हो गई। पूर्व सरपंच ने बताया कि जब मंजू नहीं मिली तो उसे आसपास ढूंढ़ा तो गांव के बाहर स्थित पैट्रोल पंप पर दुर्गाशंकर की बाइक खड़ी मिली जिसको मंजू लेकर फरार हुई थी।

अज्ञात महिला की तालाब में तैरती हुई लाश मिली

मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई।

भीलवाड़ा, (निसं)। रायला थाना क्षेत्र स्थित हड्डी फैक्ट्री की पुलिया के पास अज्ञात महिला की तालाब में तैरती लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। रायला क्षेत्र के लाम्बिया कलां नेशनल हाईवे के नजदीक पुरानी हड्डी फैक्ट्री की पुलिया के पास अज्ञात महिला की लाश तालाब में तैरती हुई मिली। एक हाथ पर रमजान लिखा हुआ है, जिसकी सूचना मिलने पर शाहपुरा एडीशनल एसपी चंचल मिश्रा, सीओ रमेश तिवारी, रायला थाना प्रभारी बच्छराज चौधरी, एफएसएल टीम सहित मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा अज्ञात महिला के शव को कब्जे में लेकर शव की पहचान की जा रही है। पुलिस ने शव को रायला चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया है। रायला थाना पुलिस ने जांच शुरू की।

घर के बाहर बैठे युवक को तेज रफ्तार कैंटर गाड़ी ने कुचला

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम नांगल भावसिंह में गुरुवार शाम को दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां घर के बाहर बैठे एक युवक को तेज रफ्तार से आ रही कैंटर गाड़ी नें कुचल दिया जिससे युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

एएसआई रामवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार की रात करीब नौ बजे नांगल भावसिंह के रहने वालाा मुकेश मेघवाल अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान कांकरिया की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कैंटर गाड़ी ने उसे कुचल दिया। आसपास के लोगों ने गाड़ी का पीछा किया और घायल को उपजिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने आसपास के इलाकों में नाकाबंदी

- गाड़ी ने पहले ऊंट को कुचला फिर घर के बाहर बैठे युवक को कुचलता हुआ भाग गया
- पुलिस ने नाकाबंदी कर तातारपुर चौराहे पर कैन्टर सहित चालक को पकड़ा

करवाकर गाड़ी चालक मोबिन उर्फ नवीन निवासी कोटकासिम को तातारपुर के पास पकड़ लिया। पुलिस ने ड्राइवर सहित गाड़ी को जब्त कर लिया। हादसे में चालक भी चोटिल हो गया जिसका कोटपूतली के बीडीएम जिला अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने बानसूर मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बीडीएम जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर इंचार्ज श्रीराम सराधना ने बताया कि गुरुवार देर रात्रि कोटपूतली से बानसूर की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कैंटर गाड़ी ने एक ऊंट को कुचल दिया जिसमें ऊंट की मौत हो गई उसके बाद हड़बड़ाहट में चालक ने गाड़ी को काकरिया से नांगल भावसिंह की तरफ घुमा दिया जहां उसने घर के बाहर बैठे एक युवक मुकेश मेघवाल को कुचल दिया जिसमें युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही रास्ते में आने वाले एक-दो अन्य वाहनों को भी टक्कर मार दी। जिसके बाद पुलिस ने नाकाबंदी करवा कर गाड़ी को चालक सहित पकड़ लिया। घटना में चालक भी घायल हो गया जिसे पुलिस ने ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया जहां उसका इलाज जारी है।

पंचतत्व में विलीन हुए भाजपा के दिग्गज नेता सुंदरलाल काका

सुन्दरलाल काका।

काका सुंदरलाल की पार्थिव देह पर जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

- सुंदरलाल काका को नम आंखों से समर्थकों और परिजनों ने अंतिम विदाई दी
- सात बार विधायक और कई बार मंत्री रहे थे सुंदरलाल काका
- जयपुर के एसएमएस अस्पताल में काका सुंदरलाल ने अंतिम सांस ली

बुहाना/जयपुर, (निसं)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुंदरलाल काका का 91 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे 5 सितंबर से जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती थे, जहां गुरुवार देर रात 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। लोग उन्हे काका कहकर बुलाते थे। काका के निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित मंत्रियों व भाजपा नेताओं ने ट्विटर पर सवेदना व्यक्त की। इससे पहले काका के फेफड़ों में इंफेक्शन और सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें 23 अगस्त को भी एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसके कुछ दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। जयपुर में अपने घर पर 22 अगस्त को उन्होंने अपना जन्मदिन मनाया था। सुंदरलाल काका की पार्थिव देह उनके पैतृक गांव झुंझुनूं जिले की बुहाना तहसील के कलवा पहुंची। यहां उनके निवास पर अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव देह को रखा गया। गांव में स्थित फार्म पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान लोगों ने सुंदरलाल के पुत्र कैलाश मेघवाल को ढांढस बंधाया।

झुंझुनूं जिले के बुहाना के समीप उनके पैतृक गांव कलवा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा की ओर से खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, झुंझुनूं सांसद बृजेंद्र ओला, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के अलावा कलेक्टर रामावतार मीणा तथा एसपी शरद चौधरी समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया और अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद सुंदरलाल अमर रहे के नारों के साथ उनके बेटों ने मुखाग्नि दी। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुंदरलाल के अंतिम दर्शन के लिए हजारों की संख्या में उनके समर्थक और स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ी। इस मौके पर खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री की तरफ से उन्होंने श्रद्धासुमन अर्पित किया है। सुंदरलाल जैसे बिरले ही राजनीतिज्ञ और सामाजिक व्यक्ति होते हैं जो ना केवल उंचाई छूते हैं बल्कि लोगों का दिल भी जीतते है। उनकी आत्मीयता अमिट है।

पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सुंदरलाल काका ने पांच दशक से ज्यादा समय तक सिद्धांतों और सच्चाई की राजनीति की। वे दलितों की आवाज थे अपनी बात को बेबाक रखते थे। पार्टी के लिए तो क्षति है ही उनके लिए भी व्यक्तिगत क्षति है। सांसद बृजेंद्र ओला ने भी सुंदरलाल के जीवन को प्रेरणास्पद बताया। पूर्व सांसद व भाजपा की प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत ने भी सुंदरलाल के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया। इससे पहले जयपुर से लेकर कलवा गांव तक जगह-जगह पर काका सुंदरलाल को समर्थकों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अंतिम दर्शन किए। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा, एसपी शरद चौधरी, एडीएम रामरतन सौंकरिया, चिड़ावा उपखण्ड अधिकारी बृजेश कुमार गुप्ता, जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी समेत कई नेता व अधिकारी उनके पैतृक गांव पहुंचे, जहां उन्होंने पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्जित कर श्रद्धांजलि दी।साथ ही परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

जानकारी के अनुसार भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और राजनीतिक गलियारों में काका के नाम से मशहूर सुंदरलाल काफी समय से बीमार चल रहे थे। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में काका सुंदरलाल ने अपनी अंतिम सांस ली, जिसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन पर शोक जताया है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अस्पताल पहुंचकर काका के अंतिम दर्शन कर उन्हें पुष्प अर्पित किए। 1964 में पंचायतराज जनप्रतिनिधि के रूप में अपना राजनैतिक कॅरिअर शुरू करने वाले काका सुंदरलाल पहली बार 1972 में सूरजगढ़ विधानसभा से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। इसके बाद वे 1980 में निर्दलीय, 1985 में कांग्रेस से, 1993 में निर्दलीय, 2003 में बीजेपी से चुनाव जीते। सुंदरलाल ने 2003 से लेकर 2013 तक लगातार तीन चुनाव बीजेपी की टिकट पर लड़े और जीते। लेकिन 2008 और 2013 का चुनाव उन्होंने पिलानी विधानसभा से लड़ा। सुंदरलाल को 1993 में भैरोसिंह अपने साथ हैलिकॉप्टर में बैठाकर जयपुर ले गए थे। उस समय सुंदरलाल ने निर्दलीय चुनाव जीता और भैरोसिंह शेखावत को सरकार बनाने के लिए निर्दलीयों का सहारा चाहिए था। जिसमें सुंदरलाल ने शेखावत का सहयोग किया। जिसके बाद 1998 में सरकार के अंतिम दिनों में कुछ महीनों के लिए सुंदरलाल को उर्जा और मोटर गैराज मंत्री बनाया गया। वहीं 2007 और 2015 में सुंदरलाल अनुसूचित आयोग का अध्यक्ष बनाकर सरकार ने केबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया था। सुंदरलाल भाजपा के जिलाध्यक्ष भी रहे। 2013 के बाद उन्होंने कोई चुनाव नहीं लड़ा और स्वास्थ्य कारणों के चलते उन्होंने एक तरह से चुनावों को अलविदा कह दिया था। बताया जाता है कि 22 अगस्त 1933 को कलवा गांव में एक साधारण परिवार के घर जन्में सुंदरलाल ने शुरूआती दिनों में नेपाल में लकड़ी काटने का काम किया। जिसके लिए उन्हें डेढ रूपया रोजाना की दिहाड़ी मिलती है। वे भजन गाने के शौकिन थे। एक कार्यक्रम में उन्हें जब भजन की प्रस्तुति देने पर अच्छी आमदनी हुई तो वे गांव लौट आए और फिर गांव में ही रहकर भजन आदि गाते और गुजारा करते थे। 1964 में उन्होंने अपना पहला चुनाव पंचायतराज जनप्रतिनिध के रूप में लड़ा। इसके बाद मुड़कर पीछे नहीं देखा। सुंदरलाल केवल साक्षर थे। लेकिन उन्होंने 1993 और 2003 में आरएएस बाबूलाल खांडा, 2003 और 2008 में आईएएस हनुमानप्रसाद तथा 2013 में आईएएस जेपी चंदेलिया तक चुनाव के मैदान में पटखनी दी।

महिला का मोबाइल छीनकर फरार हुए बदमाश

अजमेर, (कासं)। शहर के क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र में मोबाइल लूट की वारदात सामने आई है। बाइक सवार बदमाश झपट्टा मारकर युवती का मोबाइल छीनकर फरार हो गया। पीड़िता ने मामले की शिकायत क्रिश्चियन गंज थाने में दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार नया गांव कोटा हाल शॉपिंग सेंटर शास्त्री नगर निवासी सुधा खींची के द्वारा थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पीड़िता ने शिकायत देकर बताया कि वह शास्त्री नगर गार्डन के सामने से जा रही थी। तभी एक बाइक सवार युवक झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीनकर भाग गया। पीड़िता ने बताया कि उसने चिल्लाया और पीछा भी किया, लेकिन आरोपी भाग निकला। पीड़ित युवती की शिकायत पर क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी के निर्देश पर मामले की जांच एएसआई कुंभाराम को दी गई है। पुलिस के द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही हैं।

वहीं दरगाह थाना पुलिस के अनुसार बजाज नगर जयपुर निवासी सुहेल अली अंसारी के द्वारा थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पीड़ित ने शिकायत देकर बताया कि वह वर्तमान में एजी ऑफिस जयपुर में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत है। वह सीबीएसई अजमेर बोर्ड के लेखा परीक्षा के बाद दरगाह जियारत करने दरगाह ऑफिस पर पहुंचा था। दरगाह के खादिम के द्वारा उसे जियारत करवाई गई। इस बीच अस्थाना के नजदीक उसका पर्स चोरी हो गया। पर्स में उसका ऑफिस का कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और एटीएम और पेन ड्राइव थे। इसमें गोपनीय दस्तावेज भी थे। दरगाह थाना पुलिस ने पीड़ित अधिकारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गैंगरेप के मामले में एक गिरफ्तार

करौली, (निसं)। करौली की महिला थाना पुलिस ने नाबालिग से गैंगरेप के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक की ओर से दो हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था, जिससे पुलिस पूछताछ में जुटी है। करौली पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि महिला थाना अधिकारी सुमन कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत करौली पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम के सुपरविजन में नाबालिग से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी ने बताया कि गत 10 अगस्त को एक महिला ने अपनी पुत्रवधू के साथ गैंगरेप की एफआईआर सौंपी थी। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित कर दबिश दी गई लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ से बचता रहा। आरोपी घटना के बाद से ही अपना फोन बंद कर बार-बार स्थान बदल रहा था।

जाजू ने राज्यपाल बागड़े को वनों व वन्यजीवों के संरक्षण के सुझाव दिये

राज्यपाल भवन में मुलाकात कर 11 सूत्रीय सुझाव पत्र दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी एवं इंटेक भीलवाड़ा कन्वीनर बाबूलाल जाजू व इंटेक पदाधिकारी सीए दिलीप गोयल ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात करते हुए वन, वन्यजीव एवं झील जलाशयों के संरक्षण के लिए सरकार का ध्यान आकृष्ट करने का आग्रह किया।

जाजू ने राज्यपाल को 11 सूत्रीय सुझाव पत्र सौंपा, जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश के प्राचीन पुरातत्व महत्व के विरासत स्थलों, कुएं बावड़ियों व नदियों को संरक्षण प्रदान करने, पौधारोपण का लक्ष्य कम करते हुए बजट को वन क्षेत्रों में सुरक्षा वाल बनाकर वनों को सुरक्षित करने और प्राकृतिक जंगल विकसित करने, राजस्थान प्रदेश में वनों का प्रतिशत बढ़ाने हेतु राजस्व रिकॉर्ड में वन विभाग के नाम की 4.46 लाख हेक्टेयर भूमि को अमलदरामद करवाने, वन भूमि से अवैध खनन एवं अवैध कृषि बंद करवा हरियाली बढ़ाने हेतु पौधारोपण करवाने, पौधारोपण के भारी भरकम लक्ष्यों को कम

पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात की।

करने एवं रिकॉर्ड बनाने के बजाय निरंतर पौधारोपण करवाने, प्रदेश में पॉलीथिन के क्रय-विक्रय व उपयोग पर रोक की सख्ती से पालना करवाने, चम्बल बनास कोठारी व बाड़ी सहित अनेक नदियों औद्योगिक व आवासीय गंदा पानी जाने से रोकने एवं अवैध बजरी खनन रोकने हेतु प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को निर्देशित करने, परिवहन विभाग द्वारा ग्रीन टेक्स के नाम से वसूल की गई राशि को ग्रीनरी बढ़ाने हेतु खर्च करने, सरिस्का व रणथंभौर राष्ट्रीय पार्क के आसपास अवैध खनन, जंगलों की कटाई व मानवीय गतिविधियां बंद करने, राज्य पक्षी गोडावण की संख्या बढ़ाने हेतु इनका प्रजनन केन्द्र विकसित करने, राष्ट्रीय पक्षी मोरों के संरक्षण हेतु वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की कड़ाई से पालना करवाने के सुझाव देते हुए इनके संबंध में आवश्यक दस्तावेज सौंपे।

राज्यपाल बागड़े ने उक्त समस्याओं के निदान हेतु जाजू को आश्वस्त करते हुए इस संबंध में वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं उच्चाधिकारियों को निर्देशित करने का विश्वास दिलाया। जाजू एवं गोयल ने राज्यपाल बागड़े का खादी की माला, शाल, अमृतादेवी विश्नोई की तस्वीर व पौधा लगा गमला भेंट कर स्वागत किया।

जेवर व नगदी चोरी

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में आरपीएफ की महिला कॉन्स्टेबल के घर चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने करीब दो घंटे के अंदर घर से सोने-चांदी के जेवर और नगदी सहित डॉक्यूमेंट चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित महिला कॉन्स्टेबल ने अलवर गेट थाने में मामले की शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार फ्रेजर रोड निवासी आरपीएफ की महिला कॉन्स्टेबल रिया चौधरी ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है।

बिजली गिरने से मकान ढहा

- सवा लाख का नुकसान का अंदेशा

डूंगरपुर, (निसं)। गडाकोकल ग्राम पंचायत के अंदर राजस्व गांव गडाकोकल में गंगाराम आमलिया के मकान की छत पर आकाशीय बिजली गिरने से लाखों का नुकसान हुआ है।

ग्राम पंचायत मुखिया सरपंच दिनेश आमलिया को प्रार्थी ने फोन पर सूचना दी। जिस पर सरपंच ने राजस्व अधिकारी पटवारी को सूचना दी। पटवारी मौके पर पहुंचे पटवारी ने मकान की हालत को देखकर मौका पर्चा बनाया। मौके पर्चे में मकान की छत पत्थर की सीणे से ढकी हुई थी छत व दीवार पूरी तरह से ढह गई, जिसमें घरेलू सामान, अंदर रखी पानी मोटर दबने से टूट गई। कृषि उपकरण पंप, लोहे का गाडर व अन्य सामान भी घर में रखा पत्थरों के नीचे दबने से काफी नुकसान हुआ। आकाश से बिजली गिरने से बच्चों वह पत्नी हाजू आमलिया बेहोश हो गई जिसे तत्काल चिकित्सालय ले जाया गया जहां उपचार के बाद ठीक हुई।

पीड़ित बालक को आर्थिक सहायता पहुंचाई

अजमेर, (कासं)। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल चाचियावास के निदेशक राकेश कुमार कौशिक को सोशल मीडिया से खबर मिली कि गत 19 जुलाई को नागौर जिले के एक कस्बे में 8 वर्षीय बालक के साथ पड़ौसी ने दुष्कर्म किया। बालक अभी भी स्वस्थ नहीं हुआ है और पीड़ित परिवार को कहीं से कोई सहायता नहीं मिल रही है, जबकि परिवार की आर्थिक हालत बहुत खराब होने से आर्थिक मदद की दरकार है।

कौशिक ने तुरन्त संज्ञान लेते हुए संस्था की एक्सेस टू जस्टिस टीम को परिवार के पास भेजकर बालक व परिवार की स्थिति का जायजा लेते हुए परिवार को तुरन्त सहायता पहुंचाने के लिए टीम को निर्देशित किया। टीम ने बालक के परिवार, सम्बन्धित थाने, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नागौर बाल कल्याण समिति आदि की विजिट करके मामले की जानकारी ली और पीड़ित परिवार की सहायता के लिए प्रयास प्रारम्भ किए। तत्काल सहायता के लिए संस्था मुख्य कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक के निर्देशन में संस्था के अतिरिक्त निदेशक अनुराग सक्सेना एवं लेखाधिकारी नेमीचन्द वैष्णव व अतिरिक्त निदेशक तरूण शर्मा ने उपनिदेशक नानूलाल प्रजापति व जिला समन्वयक गरिमा सिंह को 10 हजार का चैक व एक माह की राशन सामग्री देकर नागौर जिले के लिए रवाना किया है। श्रेया शर्मा ने मामले में रिपोर्टिंग की है।

उपनिदेशक नानूलाल प्रजापति ने बताया कि भविष्य में आवश्यकतानुसार और सहयोग जुटाया जाएगा तथा पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत भी जल्द मुआवजा दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव से सम्पर्क किया जाएगा एवं विशेष न्यायालय के विशिष्ट लोक अभियोजक व न्यायाधीश से अपील कर विधिक सहायता करते हुए मामले का शीघ्र निपटान करने एवं दुष्कर्मी को कड़ी सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

जिस तरह से विराट और स्मिथ ये दोनों सुपरस्टार खेल रहे हैं, बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के नतीजे पर इनकी बल्लेबाजी का काफी असर पड़ेगा। ये दोनों ही काफी रन बनाने वाले बल्लेबाज है। हमारे दौर के इन दोनों बेहतरीन खिलाड़ियों को आमने सामने खेलते देखने में मजा आयेगा। - ग्लेन मैक्सवेल

आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, विराट और स्मिथ के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो दुनिया के पहले व्यक्ति हो गए हैं जिनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक बिलियन यानी 100 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं। रोनाल्डो ने यह जानकारी खुद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने के बाद गुरुवार को एक पोस्ट किया। रोनाल्डो के सोशल मीडिया फॉलोअर्स में इंस्टाग्राम पर 638 मिलियन (63.8 करोड़) से ज्यादा, एक्स पर 113 मिलियन (11.3 करोड़) से ज्यादा, फेसबुक पर 170 मिलियन (17 करोड़) और यूट्यूब पर 60 मिलियन (6 करोड़) से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया ने शुरू की तैयारी

19 सितंबर से भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज का आगाज, भारतीय टीम के सभी सदस्य चेन्नई में ट्रेनिंग कैम्प के लिए एकत्र हुए

चेन्नई, 13 सितम्बर। भारतीय टीम ने शुक्रवार को चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इस दौरान रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली टीम पहली बार नए कोचिंग स्टाफ से भी मिली। मुख्य कोच गौतम गंभीर जुलाई अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के दौरान टीम से जुड़े थे। वहीं मोर्ने मोर्केल पहली बार बतौर गेंदबाजी कोच टीम के साथ नजर आए हैं। भारतीय टीम के सदस्य करीब एक महीने के लंबे ब्रेक के बाद चेन्नई में ट्रेनिंग कैंप के लिए एकत्र हुए।वहीं बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 19 सितंबर से खेला जाएगा। कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली समेत पूरी टीम यहां एम ए चिदबंरम स्टेडियम पर एकत्र हुई। नए गेदंबाजो कोच मोर्नी मोर्कल और सहायक कोच अभिषेक नायर भी मौजूद थे।

बीसीसीआई ने पहले दिन के अभ्यास की तस्वीरें शेयर करके लिए कि, उलटी गिनती शुरू। टीम इंडिया ने रोमांचक घरेलू सत्र के लिए तैयारी शुरू कर दी। तस्वीरों में दिखाया गया है कि पूरी टीम गंभीर, सहयोगी स्टाफ और कप्तान रोहित की बात ध्यान से सुन रही है। इससे पहले पीली जर्सी पहले रोहित सुरक्षाकर्मियों के घेरे में हवाई अड्डे से बाहर निकले जबकि विराट लंदन से सीधे तड़के यहां पहुंचे हैं।

तनीषा-कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। भारत की तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। ध्रुव और तनीषा की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 44 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में सतीश

कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ की हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 14-21, 21-10, 21-14 से हराया।क्रास्टो और कपिला को लय में आने में समय लगा। शुरुआती गेम में सतीश और आद्या हावी रहे। इसके बाद क्रास्टो और कपिला ने अच्छा खेल दिखाया और दूसरे गेम में आसानी से जीत दर्ज की। तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों जोड़ियों ने एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन क्रास्टो और कपिला ने एक बार बढ़त हासिल करने के बाद उसे बनाए रखा और सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं, थारुन मन्नेपल्ली का शानदार अभियान हालांकि अंतिम आठ के मुकाबले में समाप्त हो गया। वह पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जापान के शोगो ओगावा से 13-21, 13-21 से हार गए।

भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी मैच आज

2013 से भारत का पलड़ा भारी, 25 में 16 मुकाबले जीते हैं

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। भारतीय हॉकी टीम के लिए शनिवार यानी 14 सितंबर का दिन बेहद अहम है। इस दिन भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी मैच खेला जाएगा। इस बार दोनों टीमें हॉकी मैदान में आमने सामने होने जा रही है, एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत का मुकाबला चिरप्रतिद्वंदी पाकिस्तान से कल खेला जएगा। इस महामुकाबले में पाकिस्तान की टीम के लिए जीत बेहद अहमद होगी, ऐसे में मैच का रोमांच और बढ़ा जाता है।भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और अपराजेय रही है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत चीन को 3-0 से हराकर की, फिर जापान और मलेशिया को 5-0 और 8-1 से शिकस्त दी। इसके बाद सेमीफाइनल में जगह पक्की करते हुए कोरिया को 3-1 से मात दी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने मलेशिया और कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला और फिर जापान को 2-1 से हराया। पाक टीम ने चीन को 5-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी है। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर दोपहर 1:15 बजे भारतीय समयानुसार मुकाबला होगा। इस मैच का सीधा प्रसारण नेटवर्क पर किया जाएगा और इसे ऐप पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। साल 2013 से अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच कुल 25 मुकाबले खेले गए हैं। जहां भारत का पलड़ा भारी रहा है, टीम ने 16 मुकाबले जीते हैं। वहीं पाकिस्तान ने केवल 5 मैच जीते हैं जबकि 4 मैच ड्रॉ रहे हैं।

मप्र. ने छत्तीसगढ़ को 41 रन से हराया

अहमदाबाद, 13 सितंबर। महिला अंडर-19 टी-20 टूर्नामेंट में शुक्रवार को गुजरात की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोवा पर पांच विकेट से जीत दर्ज की। वहीं एक अन्य मुकाबले में मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ की को 41 रनों से हराया। गुजरात कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड बी में खेले गये टी-20 मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 99 रन का स्कोर बनाया। जिसके जवाब में छत्तीसगढ़ की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 58 रन ही बना सकी और 41 रन से मध्यप्रदेश यह मुकाबला जीत लिया। वहीं दिन के एक अन्य टी-20 मुकाबले में गुजरात ने गोवा की टीम पर पांच विकेट से जीत दर्ज की।

आजम से जिस तरह का बर्ताव हुआ उससे उसका आत्मविश्वास डगमगाया : मोईन खान

कराची, 13 सितम्बर। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान मोईन खान ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में आजम खान के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसके कारण उनके बेटे के आत्मविश्वास को ठेस पहुँची है। पाकिस्तान के इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने बेटे के करियर को हुए नुकसान के लिए पूर्व पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा को जिम्मेदार ठहराया है। मोईन ने कहा कि अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान द्वारा खेले गए सभी मैच देखने के बाद वह आत्मविश्वास से कह सकते हैं कि उनका बेटा विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त है। मोईन ने कहा, "मैंने पूरा विश्व कप और उससे पहले के मैच देखे और ऐसा लग रहा था कि आजम विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी के लिए पहली पसंद था। फिर अचानक सिर्फ एक मैच के बाद पूरी रणनीति बदल दी गयी।" आजम को फिटनेस को लेकर प्रशंसकों का गुस्सा झेलना पड़ा है। विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ टीम की शुरुआती मैच में वह पहली गेंद पर खाता खोले बगैर आउट हो गये थे। इसके बाद उन्हें भारत के खिलाफ मैच से बाहर कर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 6000 से अधिक रन बनाने वाले मोईन ने कहा, आजम को एक मैच के बाद विकेटकीपिंग का मौका नहीं दिया गया और पहली ही गेंद पर (अमेरिका के खिलाफ) आउट होने के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। कोई भी खिलाड़ी पहली गेंद पर आउट हो सकता है, लेकिन यहां खिलाड़ियों को विकसित करने की जो परंपरा हुआ करती थी, वह अब नहीं रही।

खलील व आकिब ने इंडिया-डी को सस्ते में समेटा

प्रथम और मयंक ने अर्द्धशतक लगाए, इंडिया-ए की कुल बढ़त 222 रनों की हुई

अनंतपुर, 13 सितंबर। खलील अहमद और आकिब खान की बेहरीन गेंदबाजी के बाद प्रथम सिंह (नाबाद 59) तथा कप्तान मयंक अग्रवाल (56) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर इंडिया ए ने शुक्रवार को दलीप ट्रॉफी के तीसरे मुकाबले की दूसरी पारी में एक विकेट पर 115 रन बना लिये है और उसकी बढ़त 222 रनों हो गई है।

इससे पहले दिन में इंडिया ए टीम ने इंडिया डी की टीम को 183 के स्कोर पर समेट दिया था और इंडिया ए को पहली पारी में 290 के स्कोर के आधार पर 107 रनों की बढ़त मिल गई थी। इंडिया ए ने कल के 288 के स्कोर में दो रन के इजाफे के साथ अपने दो विकेट गवां दिये।

शम्स मुलानी (89) और आकिब खान (शून्य) को हर्षित राणा ने आउट कर

इंडिया ए की पारी को 290 के स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय में उसने छह रन पर अपने दो विकेट गवां दिये थे और उसने 96 के स्कोर तक अपने पांच विकेट खो दिये। अथर्व तायडे (चार),यश दुबे (14), कप्तान श्रेयस अय्यर (शून्य), संजू सैमसन (पांच) और रिंकू सिंह (23) रन पर आउट हुये। हर्षित राणा ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में अपने हाथ दिखाते हुए (31) रनों की पारी खेली। देवदत्त पड़िक्कल (92) एक मात्र ऐसे बल्लेबाज रहे जो कि टीम को सम्मानजनक स्कोर तक लेकर गये। इंडिया डी की टीम 52.1 ओवर में 183 के स्कोर पर सिमट गई।

इंडिया ए की ओर से खलील अहमद और आकिब खान ने तीन-तीन विकेट लिये। प्रसिद्ध कृष्णा, तनुष कोटियान और शम्स मुलानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दिन का आखिरी ओवर करने उतरे श्रेयस अय्यर ने अपनी पहली ही गेंद पर कप्तान मयंक अग्रवाल को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पहले विकेट के लिये हुये 115 रनों की साझेदारी को तोड़ा। दिन का खेल समाप्त होने के समय इंडिया ए ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 115 रन बना लिये है और उसकी बढ़त 222 रन हो गई है।

एआईएफएफ ने वापस लिया अनवर का निलंबन महासंघ ने दिल्ली हाईकोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। भारत के डिफेंडर अनवर अली का निलंबन शुक्रवार को वापस ले लिया गया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्लेयर्स स्टेटस कमेटी (पीएससी) ने दिल्ली हाई कोर्ट को जानकारी दी। महासंघ की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि इस मुद्दे पर समिति शनिवार को नए सिरे से विचार करेगी और सभी पक्षों को सुनने के बाद विस्तृत आदेश जारी करेगी। दरअसल, अदालत शुक्रवार को पीएससी के फैसले के खिलाफ अली और उनकी वर्तमान टीम ईस्ट बंगाल और मूल क्लब दिल्ली फुटबॉल की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। एआईएफएफ की पीएससी ने 10 सितंबर को अनवर को दोषी करार देते हुए चार महीने के निलंबन की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही महासंघ ने अली और दोनों क्लबों को मोहन बागान को 12.90 करोड़ रुपये का भारी मुआवजा देने को कहा था। वहीं, पीएससी ने अनवर की मूल क्लब दिल्ली एफसी और ईस्ट बंगाल पर अगले दो विंडो (2024-25 शीतकालीन और 2025-26 ग्रीष्मकालीन) में नए खिलाड़ियों से करार करने पर भी रोक लगा दी थी। एआईएफएफ के वकील ने बाद में अदालत को सूचित किया- मुझे यह कहने का निर्देश दिया गया है कि एआईएफएफ पीएससी 10 सितंबर के अपने आदेश को वापस ले लेगी। समिति कल (14 सितंबर को) सभी पक्षों की नए सिरे से सुनवाई करेगी। वकील ने आगे कहा- मामले की सुनवाई के बाद (समिति) एक विस्तृत आदेश पारित करेगी। मोहन बागान ने अली के ईस्ट बंगाल से करार करने के फैसले को चुनौती दी थी। 23 साल के अली ने पिछले सत्र में मोहन बागान को आईएसएल शील्ड विजेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने रक्षा पंक्ति में शानदार खेल दिखाने के साथ 26 मैचों में तीन गोल भी किए थे।

डेविस कप : भारत ने एकल के लिए फिर से जताया बालाजी पर भरोसा

स्वीडन के खिलाफ खेलेंगे शुरुआती मैच

स्टाकहोम, 13 सितम्बर। भारतीय डेविस कप टीम ने लगातार दूसरी बार एकल मुकाबले की जिम्मेदारी निभाने के लिए युगल विशेषज्ञ एन श्रीराम बालाजी पर भरोसा जताया है जो स्वीडन के खिलाफ विश्व ग्रुप एक के मैच में कप्तान रोहित राजपाल की अगुवाई वाली टीम का शुरुआती मैच खेलेंगे।

भारतीय कप्तान ने टीम में दूसरे एकल खिलाड़ी के तौर पर रामकुमार रामनाथन को चुना है। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान में 'ग्रास कोर्ट' पर एकल में प्रतिस्पर्धा करने वाले बालाजी शनिवार को स्वीडन के शीर्ष खिलाड़ी एलियास यमेर (विश्व रैंकिंग 238) के खिलाफ मैच के साथ इस इनडोर मुकाबले की शुरुआत करेंगे।इस टीम में भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी रामकुमार (विश्व

रैंकिंग 332) दूसरे एकल में स्वीडन के दिग्गज ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग (विश्व रैंकिंग 603) से भिड़ेंगे।

इन दोनों खिलाड़ियों का इससे पहले एटीपी टूर पर आमना-सामना नहीं हुआ है। रामकुमार और बालाजी रविवार को फिलिप बर्गेवी और आंद्रे गोरानसन के खिलाफ युगल और रिवर्स एकल भी खेलेंगे। शुरुआती दिन अगर स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा तो तो युगल जोड़ी में बदलाव हो सकता है। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पीठ की समस्या के कारण मुकाबले के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया, जबकि अगले सर्वश्रेष्ठ विकल्प शशिकुमार मुकुंद के चयन पर विचार नहीं किया गया। कप्तान राजपाल ने कहा कि अन्य एकल विकल्प निकी पुनाचा फिट हैं लेकिन टीम प्रबंधन रणनीति के तहत बालाजी को उतारना चाहता है।

टी-20 श्रृंखला के लिए आयरलैंड ने किया टीम का ऐलान

डबलिन, 13 सितंबर। आयरलैंड ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली एकदिवसीय और टी-20 मैचों की श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर दी है। आयरलैंड ने पॉल स्टर्लिंग को दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली एकदिवसीय और टी-20 मैचों की श्रृंखला के लिए टीम का कप्तान बनाया है। उन्होंने कहा कि आयरलैंड आगामी श्रृंखला को 2026 और 2027 में महत्वपूर्ण आईसीसी आयोजनों के साथ टीम के लिए एक नए चक्र की शुरुआत के रूप में देख रहा है। आयरलैंड पुरुष एकदिवसीय टीम:- पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहेनी, गेविन होए, फिओन हैंड, ग्राहम ह्यूम, मैथ्यू हम्फ्रीज, एंडी मैकब्राइन, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर और क्रेग यंग। आयरलैंड पुरुष टी-20 टीम:- पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, मैथ्यू हम्फ्रीज, ग्राहम ह्यूम, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट और क्रेग यंग शामिल होंगे।

दुनिया के सबसे दमदार बॉडी बिल्डर की मौत महज 36 साल की उम्र में हार्ट अटैक से गई जान

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। दुनिया के सबसे ताकतवर बॉडीबिल्डर के नाम से मशहूर इलिया गोलेम येफिमचिक का 36 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें छह सितंबर को अस्पताल ले जाया गया था, जहां वह कोमा में चले गए थे। कुछ दिनों बाद 11 सितंबर को उनकी मौत हो गई।

डेलीमेल ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि हार्ट अटैक आने के बाद एंबुलेंस के आने का इंतजार करते हुए उनकी पत्नी एना ने छाती को कम्प्रेस भी किया था। बाद में उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। एना ने स्थानीय मीडिया को बताया, मैंने इस पूरे समय प्रार्थना करती रही। मैंने हर दिन उनके साथ बिताया। उनका दिल दो दिनों तक धड़का, लेकिन डॉक्टर ने मुझे एक भयानक खबर दी कि उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था। मैं संवेदना व्यक्त करने के लिए सभी का शुक्रिया अदा करती हूं। यह महसूस करना दिल को छू लेने वाली है कि मैं इस दुनिया में अकेली नहीं रह गई हूं। इतने सारे लोगों से मुझे मदद और समर्थन मिल रहा है। इलिया ने कभी भी किसी प्रोफेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन इस बेलारूसी बॉडी बिल्डर की सोशल मीडिया फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा था। उन्होंने नियमित रूप से अपने फैंस के साथ वीडियो साझा किए। उन्हें द म्यूटेंट उपनाम भी मिला। जानकारी के मुताबिक,इलिया दिन में सात बार खाना खाते थे और अपने शरीर को बनाए रखने के लिए 16,500 कैलोरी से कंज्यूम करते थे। इसमें 2.5 किलोग्राम स्टेक और सुशी के 108 टुकड़े शामिल थे। उनका वजन 340 पाउंड था और वह 6 फीट एक इंच लंबे थे। आउटलेट के अनुसार उनकी छाती 61 इंच और उनके बाइसेप्स 25 इंच मापी गई थी।

अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड टेस्ट बिना गेंद डाले हुआ रद्द

ग्रेटर नोएडा, 13 सितंबर। लगातार हो रही बारिश के कारण अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला एकमात्र टेस्ट को शुक्रवार को रद्द घोषित कर दिया गया। अफगानिस्तान वर्सेस न्यूजीलैंड एकमात्र टेस्ट मैच अधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया है। ये मैच बिना गेंद डले रद्द हुआ, यहां तक की दोनों कप्तान भारी बारिश और गीला मैदान होने की वजह से टॉस के लिए भी मैदान पर नहीं उतर पाए। इसी के साथ टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये मात्र 8वां घटना है जब कोई टेस्ट मैच बिना गेंदें डले रद्द हुआ हो। वहीं 21वीं सदी में ऐसा पहली बार हुआ है। इसी के साथ अफगानिस्तान वर्सेस न्यूजीलैंड टेस्ट रद्द होने से एक और रिकॉर्ड भी बना।91 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये टेस्ट एशिया में बिना गेंद डले रद्दे होने वाला पहला मैच बना है।

एशियाई दौरे की तैयारियों के लिए एक बढ़िया अवसर खो दिया : स्टीड

ग्रेटर नोएडा, 13 सितंबर। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि अफगानिस्तान के साथ टेस्ट मैच बिना कोई गेंद फेंके रद्द हो जाने से हमने एशियाई दौरे की तैयारियों के लिए एक बढ़िया अवसर खो दिया है और इससे खिलाड़ी तथा पूरा कोचिंग स्टाफ में निराशा है।

स्टीड ने कहा, हमें अभी श्रीलंका के ख़िलाफ़ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दो मैच खेलने हैं, जिसकी तैयारियों के लिए यह अच्छा मैच हो सकता था। हमारे लिए सबसे निराशाजनक बात यह है कि हमने उस

तैयारी का अवसर गवां दिया। यह भले ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का मैच नहीं था लेकिन हमारे खिलाड़ियों के हाथ से पांच दिन टेस्ट क्रिकेट खेलने का अवसर चला गया। अगर यह मैच होता तो हमें बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिल सकता था।

उन्होंने कहा, यह अफगानिस्तान के साथ हमारा पहला टेस्ट मैच था और हम निश्चित रूप से उत्साहित थे। पिछले कुछ विश्व कपों के दौरान उन्होंने हमें अच्छी टक्कर दी है और हम उनके साथ टेस्ट मैच भी खेलना चाहते थे। उनके पास कुछ अच्छे तथा अनूठे गेंदबाज हैं उनका सामना करना हमारे लिए फायदेमंद साबित हो सकता था। ऐसी परिस्थितियों में खेलना आपको हमेशा कुछ ना कुछ नया सिखाता है।

इंडिया-सी के विशाल स्कोर के आगे इंडिया-बी की अच्छी शुरुआत

525 रनों के जबाव में इंडिया-बी ने 124 रन बगैर नुकसान बनाए

अनंतपुर, 13 सितंबर। इशान किशन की शतकीय पारी के बाद मानव सुथार की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दलीप ट्रॉफी के चौथे मुकाबले में शुक्रवार को इंडिया सी की टीम ने 525 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। वहीं दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर इंडिया बी ने भी बिना कोई विकेट खोए 124 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की है। आज दिन की शुरुआत इंडिया सी ने पांच विकेट पर 357 के स्कोर से आगे की अभी टीम के स्कोर में 25 रनों का इजाफा हुआ कि कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (58)को मुकेश

कुमार ने बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसे बाद मयंक मार्कंडेय भी (17) रन बनाकर आउट हो गये। हालांकि अंशुल कंबोज ने कुछ देर तक मानव सुथार के साथ आठवें विकेट लिये 55 रन जोड़े। अंशुल कंबोज (38) और विजयकुमार वैशाख (12) रन बनाकर आउट हुये। मानव सुथार ने 82 रनों की शानदार पारी खेली और टीम के स्कोर को 525 तक पहुंचाया। इंडिया बी की ओर से मुकेश कुमार और राहुल चाहर ने चार-चार विकेट लिये। नवदीप सैनी और नितीश कुमार रेड्डी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया बी की टीम के लिए कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन और नारायण जगदीशन ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए बिना कोई विकेट खोए 124 रन बना लिये है। हालांकि वह अभी इंडिया सी के स्कोर से 401 रन पीछे है।

सेवानिवृत्त खिलाड़ियों से रीसेट कार्यक्रम के लिए आवेदन का किया आव्हान

नयी दिल्ली, 13 सितंबर। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को देशभर के सेवानिवृत्त खिलाड़ियों से 'सेवानिवृत्त खिलाड़ी सशक्तिकरण प्रशिक्षण' (रीसेट) कार्यक्रम के लिए आवेदन कर खेल पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय रूप से योगदान देने का आव्हान किया है। डॉ. मांडविया ने कहा, रीसेट कार्यक्रम देश के गौरवान्वित करने वाले हमारे सेवानिवृत्त एथलीटों को मान्यता देने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी सेवानिवृत्त खिलाड़ियों से आग्रह करते हैं कि वे नए कौशल विकसित करने, खेल समुदाय से जुड़े रहने और देश की खेल विरासत में योगदान जारी रखने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि रीसेट कार्यक्रम पीढ़ियों के बीच की खाई को पाटेगा और इससे नई पीढ़ी को लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि उनका समृद्ध अनुभव भविष्य के चैंपियनों को तैयार करने, भारत में खेलों के विकास में योगदान देने और राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक आधार के रूप में काम करेगा। केंद्रीय मंत्री ने सभी सेवानिवृत्त खिलाड़ियों से इस पहल के लिए आवेदन करने और देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह किया। सरकार हमारे सेवानिवृत्त खिलाड़ियों को हर संभव तरीके से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल मंत्रालय ने सेवानिवृत्त खिलाड़ियों के लिए 'रिसेट' कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

फोर्ड को वापस भारत लाए स्टालिन

फोर्ड कम्पनी चेन्नई के अपने प्लांट को फिर से शुरु करेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- फोर्ड कम्पनी ने अगस्त 2021 में चेन्नई में अपना प्लांट बंद कर दिया था और सितम्बर 2021 में भारत छोड़ दिया था।
- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन राज्य के लिए निवेश जुटाने हेतु अमेरिका गए थे, उन्होंने कम्पनी से प्लांट पुनः शुरु करने का आग्रह किया था।
- फोर्ड कम्पनी ने स्टालिन की बात मानकर राज्य सरकार को इस बारे में ''लैटर ऑफ इन्टैंट'' भी दे दिया है। इस प्लांट में बनी कारें विदेशों में बेची जाएंगी।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। भारत से जाने के दो साल बाद, अमेरिका की ऑटोमोबाइल कम्पनी फोर्ड भारत लौट रही है, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान फोर्ड को राज्य में आने के लिए मनाया। तमिलनाडु पहले से ही भारत का ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग केन्द्र है। और अब फोर्ड भी यहाँ अपना प्लांट लगाएगी, यहाँ बने वाहन विदेशी बाजार में बेचे जाएंगे। भारत और तमिलनाडु में ऑपरेशनल लागत कम आती है। इसलिए अमेरिकन कम्पनी ने चेन्नई में अपनी फैक्ट्री पुनः शुरु करने की योजना को अंतिम रूप दे दिया। फोर्ड कम्पनी ने सितम्बर 2021 में भारत छोड़ दिया था।

कम्पनी ने अगस्त 2021 में अपनी मराईमलाई नगर फैक्ट्री में उत्पादन बंद कर दिया था। लेकिन आज के हार्ट, जो कि फोर्ड के इंटरनैशनल मार्केट ग्रुप के अध्यक्ष हैं, ने कहा कि कम्पनी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को ''लैटर ऑफ इन्टैंट'' दे दिया है। स्टालिन अमेरिका यात्रा के दौरान फोर्ड के मुख्यालय गए थे, वहाँ उन्होंने मैनेजमैंट से तमिलनाडु में उत्पादन पुनः शुरु करने को कहा था।

हार्ट ने कहा, मैं यह बताते हुए बहुत प्रसन्न हूं कि हमने तमिलनाडु सरकार को लैटर ऑफ इटैंट दे दिया है। हम अपने चेन्नई प्लांट में निर्यात के लिए निर्माण शुरु करना चाहते हैं। जल्दी ही मराईमलाई नगर फैक्ट्री का आधुनिकीरण किया जाएगा।

हार्ट ने कहा, हम तमिलनाडु सरकार के सहयोग के आभारी हैं, क्योंकि हमने चेन्नई प्लांट के लिए कई विकल्पों पर विचार किया था। यह फैसला भारत के प्रति हमारी वचनबद्धता को रेखांकित करता है। हम अन्तर्राष्ट्रीय बाजार की जरूरत पूरी करने के लिए तमिलनाडु में हमारे प्लांट का उपयोग करेंगे। कम्पनी अगले तीन साल में ढाई से तीन हजार लोगों को नौकरी देगी।

21 सितम्बर को प्र.मंत्री मोदी की मेज़बानी करेंगे बाइडन

वॉशिंगटन/नयी दिल्ली, 12 सितंबर (वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन 21 सितंबर को विलमिंगटन, डेलावेयर में चौथे व्यक्तिगत क्वॉड लीडर्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। वाइट हाउस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

वाइट हाउस ने बताया कि बाइडन ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

वाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि यह बाइडन का राष्ट्रपति के रूप में विलमिंगटन में विदेशी नेताओं की मेजबानी करने का पहला मौका होगा। बयान में कहा गया है कि यह क्वाड के प्रत्येक नेता के साथ उनके गहरे व्यक्तिगत संबंधों और हमारे सभी देशों के लिए क्वाड के महत्व का प्रतिबिंब है।

लद्दाख में चार जगहों से लौटी चीन की सेना

चीन ने यह टिप्पणी जिनेवा में गत गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से दिये गये बयान के ठीक अगले दिन जारी की

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। पूर्वी लद्दाख में चल रहा भारत-चीन सीमा विवाद सुलझता हुआ नजर आ रहा है। चीन की तरफ से कहा गया है कि उसने अपनी सेना को पूर्वी लद्दाख की चार जगहों से पीछे हटा लिया है। चीन के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने गुरुवार को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स सदस्य देशों में सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्च-स्तरीय अधिकारियों की बैठक से अलग बातचीत की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दों पर हाल के विचार-विमर्श में हुई प्रगति पर चर्चा की।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि दोनों सेनाओं ने चार क्षेत्रों से वापसी की है और सीमा पर स्थिति स्थिर है। हाल के वर्षों में, दोनों देशों की अग्रिम मोर्चे पर तैनात सेनाओं ने चीन-भारत सीमा के पश्चिमी क्षेत्र में चार बिंदुओ से पीछे हटने का काम पूरा कर लिया है, जिसमें गलवान घाटी भी शामिल है। चीन-भारत सीमा पर स्थिति आम तौर पर स्थिर और नियंत्रण में है।

चीनी विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा जिनेवा में दिए गए बयान के एक दिन बाद आई है। जयशंकर ने कहा था कि चीन के साथ 'सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याओं' का लगभग 75 प्रतिशत समाधान हो गया है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ता सैन्यीकरण है।

डोभाल और वांग के बीच हुई बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने यह विश्वास व्यक्त किया था।

2017 में ई.आर.सी.पी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को हैण्डल किया गया, और पूरे प्रौजेक्ट को टुकड़ों में बांटने का निर्णय लिया गया, पर सारा काम एक ही कम्पनी को देने का निर्णय लिया गया, ऐसा लग रहा था कि इस सबके पीछे स्पष्ट रूप से कोई अदृश्य हाथ था, जो समस्त प्रक्रिया को अंजाम दे रहा था।

यह निर्णय अधिकारिक रूप से नहीं लिया गया था कि कितने टुकड़े किए जाएंगे और विभिन्न पैकेज पर काम कब शुरू होगा।

रोचक बात है कि जून 2023 में टैंडर जारी किए गए। पहला टैंडर 2066 करोड़ रूपये का था, दूसरा 1807 करोड़ रुपये और तीसरा 3913 करोड़ रुपये के लिए।

इसी समय जल जीवन मिशन के लिए भी टैंडर जारी किए गए, जहाँ बाद में बहुत सी अनियमितताएं सामने आई और वर्तमान में इसकी जाँच जारी है।

आश्चर्य की बात यह है कि एल. एण्ड टी. जैसी बड़ी कंपनियों ने ई.आर.सी.पी. टैंडरों के लिए बोली नहीं लगाई। केवल दो कंपनियों, मेघा इंजिनियरिंग और रामकी इन्फ्रा ने बोली लगाई। दोनों कंपनियाँ तेलंगाना की थीं और दोनों ने ऊपरी सीमा पर बोली लगाई जो कि काम के अनुमानित बजट से बहुत अधिक थी। लेकिन फिर भी मेघा इंजिनियरिंग की बोली को स्वीकार किया गया जो कि अजीब था। क्या सरकार में, नेताओं, ब्यूरोक्रैट्स तथा संबंधित कंपनियों के साथ सांठ-गांठ में कोई सुनियोजित कार्टल काम कर रहा था?

रामकी इन्फ्रा जैसी पुरानी और अनुभवी कंपनी एक भी टैंडर नहीं जीत पाई, यह एक अचरज की बात थी।

क्या रेट फिक्स करने के लिए और यह सुनिचित करने के लिए कि मेघा इस रेस में सबसे आगे रहे, बोलियों के साथ छेड़छाड़ की गई थी। सूत्रों के अनुसार, इसे मुख्यमंत्री की मदद व आशीर्वाद प्राप्त था।

चारागाह भूमि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने अदालत को बताया कि लोटवाडा की करीब पांच बीघा से अधिक चारागाह भूमि पर प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर दुकानें बना ली हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश एवं राजस्व विभाग के परिपत्रों के अनुसार, चारागाह भूमि को अन्य किसी उपयोग में नहीं लिया जा सकता। स्थानीय लोगों ने कलेक्टर सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में शिकायत की, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि वर्ष 2021 में तहसीलदार ने भू-राजस्व अधिनियम की धारा 91 के तहत अतिक्रमियों को बेदखल होने का आदेश दिया था। लेकिन अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया। हाईकोर्ट ने गत पांच अगस्त को तहसीलदार को चार सप्ताह में अतिक्रमण को लेकर रिपोर्ट पेश करने को कहा था, लेकिन अब तक रिपोर्ट भी पेश नहीं की गई। वहीं, अब बताया जा रहा है कि सरकारी वकील के स्थान पर अतिरिक्त महाधिवक्ता इस प्रकरण में पैरवी करेंगे। इस पर अदालत ने अदालती आदेश की पालना करने के निर्देश देते हुए रिपोर्ट पेश नहीं करने पर तहसीलदार को पेश होने को कहा है।

हैरिस के साथ अब किसी प्रेसिडैंशियल डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे ट्रम्प

दूसरी ओर कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को एक और डिबेट में आमना-सामना करने की चुनौती दी

- पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि पिछली डिबेट में उनकी जीत हुई है।
- ट्रम्प और हैरिस के बीच गत गुरुवार को ए.बी.सी. न्यूज़ ने पहली डिबेट आयोजित की। डिबेट के बाद किये गये सी.एन.एन. (न्यूज़ चैनल) सर्वेक्षण के अनुसार 63 प्रतिशत लोग इस बात से सहमत थे कि कमला हैरिस ने इस डिबेट में बेहतर प्रदर्शन किया है।
- फॉक्स न्यूज़ के अनुसार, एक पैनल के 12 मतदाताओं का मानना था कि हैरिस ने डिबेट जीती, जबकि पांच ने माना कि ट्रम्प जीते।

वॉशिंगटन, 13 सितंबर (वार्ता)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डॉनल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि वे डैमोक्रेटिक उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के खिलाफ अब राष्ट्रपति पद की किसी बहस (प्रेसिडेंशियल डिबेट) में शामिल नहीं होंगे।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में दावा किया कि उन्होंने मंगलवार रात फिलाडेल्फिया में ए.बी.सी. न्यूज़ द्वारा आयोजित प्रेसिडेंशियल डिबेट में जीत हासिल की है और हैरिस पर फॉक्स न्यूज, एनबीसी न्यूज और सीबीएस न्यूज से बहस के निमंत्रण को अस्वीकार करने का आरोप लगाया।

हैरिस ने गुरुवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मतदाताओं के प्रति हमारा दायित्व है कि हम एक और बहस करें।'

दोनों के बीच पहली डिबेट में भी सुश्री हैरिस की अभियान टीम ने जीत का दावा किया। उनकी टीम की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति ने अमेरिकी लोगों के हित से जुड़े हर मुद्दे पर मंच पर बाजी मार ली।

सी.एन.एन. सर्वेक्षण के अनुसार, बहस देखने वाले 63 प्रतिशत लोग इस बात से सहमत थे कि सुश्री हैरिस ने फिलाडेल्फिया में मंच पर बेहतर प्रदर्शन किया। फॉक्स न्यूज के अनुसार, एक पैनल के 12 मतदाताओं का मानना था कि सुश्री हैरिस ने बहस जीती, जबकि पांच ने माना कि ट्रम्प जीते। कई लोगों ने कहा कि ट्रम्प को नहीं पता कि राष्ट्रपति पद की दौड़ में अपने नए प्रतिद्वंद्वी पर कैसे हमला करना है। न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में कहा गया कि बहस के बाद, कई डेमोक्रेटिक रणनीतिकारों और अधिकारियों ने सुश्री हैरिस के प्रदर्शन की सराहना की, जबकि रिपब्लिकन ने प्रस्तोताओं के प्रश्नों की गंभीरता के बारे में शिकायत की और स्वीकार किया कि ट्रम्प ने जोरदार हमले करने के अवसर छोड़ दिये।

जम्मूः मुठभेड़ में सेना के चार जवान घायल हुये

जम्मू, 13 सितंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के सुदूरवर्ती इलाके में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड हुई जिसमें चार जवान घायल हो गये। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ किश्तवाड़ के चटरू इलाके में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। अपराह्न 1530 बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया। इस मुठभेड़ में सेना के चार जवान घायल हो गए। ऑपरेशन जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में नैदघाम गांव के ऊपरी इलाकों में पिंगनल दुगड्डा वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने तलाश और खोज अभियान शुरू किया था। इसी दौरान आतंकवादियों से उनकी मुठभेड़ हो गयी। दोनों तरफ से गोलीबारी भी हुई। इससे पहले आज तड़के पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में मुठभेड़ के दौरान आतंकवादियों के भागने के बाद सुरक्षा बलों ने मौके से गोला-बारुद बरामद किया।

निवेश आकर्षित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुलाकात की। समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने जापान में तकनीकी नवाचारों की शुरुआत करने में अप्रवासी राजस्थानी समुदाय की भूमिका के बारे में प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि अप्रवासी राजस्थानी अपनी माटी में भी नए व्यवसाय लगाने का प्रयास करें।

''राइज़िंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वैस्टमेंट समिट 2024 के बारे में बात करते हुए, ओसाका-कोबे में भारत के महावाणिज्यदूत चंद्रू अप्पार ने कहा, ''मैं रोड शो को मिले जबरदस्त समर्थन को देखकर बेहद खुश हूं।''

ओसाका निवेशकों का रोड शो ओसाका-कोबे में भारत के महावाणिज्यदूतावास और जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसके साथ ही, ''राइज़िंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वैस्टमेंट 2024 के लिए इन्वैस्टर्स मीट और आउटरीच का पांच दिवसीय दक्षिण कोरिया-जापान चरण आज समाप्त हो गया और राजस्थान सरकार का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल अब वापस राज्य के लिए रवाना हो गया है।

आपके खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेहनत करने वाले समाज को भरोदा दिलासा हूँ कि यदि आपके समाज के हित के खिलाफ कोई साजिश रचेगा या कोई आंख उठाकर देखेगा तो मैं आपके लिए, आपकी सुरक्षा के लिए खड़ा रहूंगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने कहा कि प्राचीन काल में हम सभी एक ही गंगोत्री से निकले हैं।

यहां 36 कौम अमन-चैन से रहती आई हैं। जोधपुर से लेकर गंगानगर तक, दिल्ली से लेकर मुंबई तक आपके समाज के बहनों - भाइयों ने मेहनत करके नाम कमाया है।

मुझे खुशी होती है, जब सरकारी नौकरी और बड़े-बड़े पदों पर समाज के बच्चे बैठते हैं।

जल जीवन मिशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपराधिक क्रियाकलापों में शामिल होने का आरोप है। ऐसे में आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे प्रकरण में एक अन्य व्यक्ति के दिए गए बयानों के आधार पर आरोपी नहीं बनाया जा सकता। वहीं, महेश मित्तल की ओर से दी गई राशि के संबंध में भी अभियोजन के पास कोई ठोस आधार नहीं है, इसलिए आरोपी को जमानत दी जाए।

इसका विरोध करते हुए विभाग की ओर से कहा गया कि मामले की पत्रावली से महेश मित्तल को टेंडर दिलवाए जाने में मदद करने व मित्तल से 5.40 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने से संबंधित तथ्य सामने आया है।

मामले में पेश किए चालान से भी साबित है कि पी.एच.ई.डी. के अफसरों को रिश्वत देकर पदमचंद जैन व महेश मित्तल ने बिल पास करवाए। वहीं संजय बड़ाया के पिता के खाते में पदमचंद जैन, श्याम ट्यूबवैल के खाते से 1.05 करोड़ रुपए भेजे गए हैं। आरोपी खुद ही अपने पिता के खाते का संचालन करता था।

इस राशि से ही उसके पिता के नाम पर कीर्ति सागर योजना में दो भूखंड खरीदे थे। ऐसे में आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

आखिरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमानत दे दी थी, पर सी.बी.आई. के भ्रष्टाचार केस के कारण उन्हें रिहाई नहीं मिली थी। वरिष्ठ आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिये क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि सी.बी.आई. प्रतिशोध के इरादे से काम कर रही है। कोर्ट ने सी.बी.आई. को पिंजरे का तोता कहा है। इसके बाद गृह मंत्री को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि दो जज वाली बैंच ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी गैर कानूनी नहीं थी, कानून सम्मत थी। उनके खिलाफ आरोपों को खारिज नहीं किया जा सकता, बरी करने का सवाल ही नहीं है। ट्रायल चलेगा।'' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी का भ्रष्ट डी.एन.ए. दिख रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह सभी भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर जेल से छूटे हैं।

केन्द्र सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और निकोबार के योगदान को दर्शाता है।' उन्होंने कहा कि इस द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है।

दो वीडियो की अजीबो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने से उनका पैसा बच जायेगा।

श्रीनिवासन ने कहा, ''लोग कहते हैं कि वित्त मन्त्री ने मिठाइयों पर 5 प्रतिशत जी.एस.टी. तथा नमकीन पर 12 प्रतिशत जी.एस.टी. लगा दी है क्योंकि उत्तर में लोग मिठाई ज्यादा खाते हैं और तमिलनाडु में नमकीन, मिठाई तथा कॉफी लोकप्रिय हैं। कृपया एक समान जी.एस.टी. लगाएं क्योंकि जी.एस.टी. के इस कन्फ्यूज़न में, कम्प्यूटर भी हैंग हो जाता है।

इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जब सत्ता में बैठे लोगों का नाज़ुक अहं आहत होता है, तो वे दूसरों का अपमान करते हैं।

बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने दो वीडियो शेयर किए हैं। उनमें से एक वीडियो 11 सितम्बर के उस कार्यक्रम का है, जिसमें अन्नपूर्णा चेन्स ऑफ रेस्टोरेन्ट्स के मालिक श्रीनिवासन कथित रूप से, जी.एस.टी. की अलग-अलग दरों पर चिन्ता व्यक्त करते नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में, श्रीनिवासन कथित रूप से वित्तमन्त्री से व्यक्तिशः क्षमा माँगते दिखाई दे रहे हैं।

इस बीच, तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने एक उद्यमी की सीतारमण के साथ हुई निजी बातचीतों को शेयर करने के लिए क्षमा याचना की। अन्नामलाई ने 'एक्स' पर लिखा, ''तमिलनाडु भाजपा की ओर से, मैं अपने उन पदाधिकारियों के कार्यों के लिए पूरी ईमानदारी से माफी माँगता हूं, जिन्होंने एक सम्मानित व्यवसायी तथा हमारी माननीय वित्तमन्त्री के बीच हुई निजी बातचीत को शेयर किया। मैंने अन्नपूर्णा चेन ऑफ रेस्टोरेन्ट्स के सम्मानीय मालिक तिरू श्रीनिवासन एवल से बातचीत की तथा निजता के इस गैर इरादतन उल्लंघन के लिए अफसोस व्यक्त किया।''

तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी तथा राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक की घटक द्रमुक ने राहुल गांधी की पोस्ट को ही 'एक्स' पर रीपोस्ट किया। द्रमुक सांसद तथा पार्टी की उपमहासचिव कनिमोई ने केन्द्र की भाजपा सरकार तथा केन्द्रीय मन्त्रियों को चेताया कि वे तमिलों के आत्मसम्मान का उपहास न करें।

तीसरी पीढ़ी के उद्यमी तथा कोयम्बटूर की प्रमुख हस्ती के ''अपमान'' की निन्दा करते हुए, अन्नाद्रमुक प्रवक्ता कोवई सत्यन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि माफी माँगने का सार यह दर्शाता है कि भाजपा सरकार सत्ता के मद में किस हद तक मतवाली हो गई है। उन्होंने कहा, ''अहंकार की पराकाष्ठा विनाश का प्रतीक है।''

गहलोत सरकार के सब्सिडी झांसे का शिकार हुए प्रदेश के 600 से ज्यादा छोटे किसान

एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित करने और मेगा फूड पार्क बनाने के लिए इन किसानों ने बैंकों से ऋण लेकर करोड़ों रु. के प्लांट लगा दिए, लेकिन बीते 5 साल में उन्हें सब्सिडी नहीं मिली

-यादवेन्द्र शर्मा-

- पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने वर्ष 2019 में घोषणा की थी कि, अगर कोई किसान स्वयं का प्लांट या मशीनरी लगाता है तो उसे 1 करोड़ रु. तथा व्यवसायी को 50 लाख रु. की आर्थिक सहायता दी जायेगी, लेकिन कृषि विभाग और जिला व राज्य स्तरीय कमेटी के विवाद में 600 से ज्यादा किसान फंसकर रह गए।
- गहलोत सरकार ने अपने आखिरी दिनों में किसानों की इस नाराजगी को भांपते हुए सितंबर-2023 में बैठक बुलाकर आवेदकों को सब्सिडी देने का वादा किया, पर विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से किसान राहत का इंतजार करते रह गए
- अब राजस्थान में भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के बाद सब्सिडी से वंचित रहे किसानों ने सरकार को पत्र लिखकर राहत देने की मांग की है।

जयपुर, 13सितम्बर । पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने वर्ष 2019 में कृषि क्षेत्र में एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित करने, उनके नवीनीकरण और मेगा फूड पार्क बनाने, जिससे किसानों को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने में मदद हो, के लिए उद्योगों व किसानों को सब्सिडी देने के लिए नीति बनाई थी। इसके तहत उद्योगपतियों और किसानों को एक करोड़ रु. तक की सब्सिडी देने का प्रावधान किया था। इसके बाद राजस्थान में करीब 1000 से अधिक आवेदकों ने यह प्लांट स्थापित करने के लिए आवेदन किया था और नई यूनिट्स भी लगाई थी। परंतु इनमें से करीब 600 लोगों को कोई ''कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी'' नहीं मिली।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय वर्ष 2019 में घोषणा की गई थी कि, मेगा फूड पार्क के लिए प्लांट और मशीनरी स्थापित करने पर प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत 10 प्रतिशत की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा अगर कोई किसान स्वयं प्लांट या मशीनरी लगाता है तो उसे 1 करोड़ तथा व्यवसायी को 50 लाख रु. की आर्थिक सहायता देने का वादा किया गया था।

गौरतलब है कि इस नीति के अनुसार सब्सिडी की राशि 3 किश्तों में दी जानी थी। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज जिला स्तरीय स्क्रीनिंग व अनुमोदन कमेटी को पेश करने पर प्रथम किश्त में 40 प्रतिशत राशि बतौर एडवांस दी जानी थी। दूसरी किश्त में 40 प्रतिशत रकम मशीन व प्लांट की जानकारी देने, बैंक सर्टिफिकेट, चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाण पत्र समेत कुछ अन्य दस्तावेज पेश करने के बाद दी जानी थी। शेष 20 प्रतिशत राशि की अंतिम किश्त शेष कागजी कार्रवाई के बाद दी जानी थी।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने एक नोडल ऑफिसर बनाया था, जिसे आवेदक उद्योगपतियों व किसानों के दस्तावेज 15 दिन में जांचकर जिला स्तरीय कमेटी को देने थे। इस नीति के मुताबिक जिला स्तरीय कमेटी को दस्तावेज जांच के 60 दिन के भीतर यह सब्सिडी राशि जारी करनी थी। अगर यह राशि जारी नहीं होती है तो इसकी अपील राज्य स्तरीय कमेटी के समक्ष किए जाने का प्रावधान था। लेकिन पिछले करीब 5 सालों से 600 से ज्यादा आवेदक, कृषि विभाग के आला अधिकारियों तथा जिला व राज्य स्तरीय कमेटी के बीच फंस गए हैं।

इन 600 आवेदकों में से करीब आधा दर्जन किसानों व उनकी संस्थाओं ने मुख्य सचिव, कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव समेत राज्य सरकार को पत्र लिखकर इस पूरे प्रकरण की शिकायत भी दर्ज की है।

नसीराबाद के गांव दिलवाड़ी के शिकायतकर्ता रघुनाथ चौधरी, जो कि मौफतजी डेयरी के संचालक है, ने कहा है कि उनका आवेदन ''किसान श्रेणी'' के बजाय ''गैर किसान श्रेणी'' में डाल दिया गया है। इस कारण उसको जो राहत मिलनी थी, वह नहीं मिली। रघुनाथ का कहना है कि उसकी संस्था ने 2.25 करोड़ रु. का प्लांट लगाया, जिसमें से उसने 1.15 करोड़ रु. बैंक से ऋण लिया। इस संस्था में 8 लोग काम करते हैं, और एक हजार किसान जुड़े हुए हैं।

इसी प्रकार अजमेर के शिकायतकर्ता भगवती इंडस्ट्रीज़ के संचालक मनोज चांदनानी का कहना है कि, उसने ग्वांर गम स्प्लिट प्लांट लगाया है, जिसमें 1.40 करोड़ रु. की लागत आई। हमने 77 लाख रु. का बैंक से ऋण लिया था, हमारे साथ 8 लोग काम करते हैं, परंतु हमें आज तक कोई सब्सिडी राशि नहीं मिली। इसके कारण हमारी संस्था आर्थिक तंगी से जूझ रही है।

अजमेर में किशनगढ़ के उदयपुर कलां गांव की मनन इडस्ट्रीज के संचालक मयंक पारीक का कहना है कि, उन्होंने पशु चारा (कैटल फीड) बनाने का प्लांट लगाया, जिसमें 1.44 करोड़ रु. का निवेश किया। बैंक से 63.50 लाख रु. का ऋण लिया था, लेकिन आज तक कोई सब्सिडी नहीं मिली। इस कारण उन्हें भारी आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है।

जयपुर के नजदीक चौमूं के गोविंदगढ़ गांव में आदिनाथ एग्रो प्रोडक्ट्स कंपनी के संचालक सचिन जैन का कहना है कि, उन्होंने मूंगफली का तेल निकालने की मशीन का प्लांट लगाया, जिसमें 6.20 करोड़ का निवेश किया। इसके लिए बैंक से 3.40 करोड़ रु. का ऋण लिया था, लेकिन राज्य सरकार ने कोई सब्सिडी नहीं दी।

टोंक जिले के निवाई में सुरेश एडिबल इंडस्ट्रीज की संचालक प्रीति सिंघल का कहना है कि, उसने मूंगफली के तेल निकालने और कच्ची मूंगफली छंटनी का प्लांट लगाकर 1.70 करोड़ रु. का निवेश किया, इसके लिए 1.05 करोड़ रु. का बैंक से ऋण लिया।

निवाई में श्री ऋषभ प्रोडक्ट के संचालक शंभु कुमार जैन का कहना है कि, उसने ऑयल मिल के लिए 2.36 करोड़ रु. का निवेश किया, बैंक से 1.55 करोड़ रु. का ऋण लिया था। इस मिल में 22 लोग काम करते हैं, हमें कोई सब्सिडी नहीं मिली।

बूंदी के गांव रघुवीरपुरा में ज्योति एग्रो फूड्स की संचालक लक्ष्मी तोतला ने बताया कि, एग्रीकल्चर वेयर हाऊस (कृषि उपज गोदाम) के लिए उन्होंने 1.23 करोड़ रु. का निवेश किया, जिसके लिए 90 लाख रु. का बैंक ऋण लिया था। इसके बावजूद राज्य सरकार से सब्सिडी राशि नहीं मिलने के कारण वह आर्थिक तंगी से जूझ रहीं हैं।

इन सभी आवेदकों का कहना है कि, सितंबर-2023 में राज्य सरकार के अधिकारियों ने उनके साथ बैठक की थी और आश्वासन दिया था कि सब्सिडी जल्द ही जारी की जायेगी। पर कुछ नहीं मिला। सूत्रों का कहना है कि गत सितंबर 2023 में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के कारण यह पूरा मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

मजेदार बात यह है कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने सत्ता में आते ही वर्ष 2019 में यह पॉलिसी बनाई थी, लेकिन सरकार के आखिरी समय तक आवेदकों को सब्सिडी राशि जारी नहीं होना उनके झांसे को दर्शाता है।

गौरतलब है कि ''कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी'' की तीन किश्तें मिलने के बाद आवेदकों को टर्म लोन, बिजली शुल्क और सोलर प्लांट सब्सिडी के लिए भी आवेदन करना था, लेकिन यह मामला प्राथमिक स्तर पर ही अटक जाने के कारण इन आवेदकों को आगे मिलने वाली रियायतें भी नहीं मिल पायी।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में भजनलाल सरकार बनने के बाद इन आवेदकों ने न्याय की मांग करते हुए जून-2024 में शिकायती पत्र लिखे हैं, जिनमें आवेदकों ने गहलोत सरकार के सब्सिडी के नाम पर दिए गए झांसे का दर्द साफ बयां किया है। इनकी मांग है कि भाजपा सरकार उनकी मांगों पर ध्यान देकर सब्सिडी राशि जारी करे। इन आवेदकों का कहना है कि भले ही हमारे उद्योग व संस्थाएं छोटी हैं, इनमें प्रत्यक्षत 10-15 लोग ही काम करते हैं, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से 1 लाख किसान इससे जुड़े हुए हैं। सरकार द्वारा सब्सिडी राशि जारी नहीं करना इन सभी लोगों के साथ अन्याय होगा।

हालांकि कृषि विभाग ने इन शिकायतों को सुना है और अधिकारियों का कहना है कि कृषि विभाग जल्द ही ''राजस्थान एग्रीकल्चर पॉलिसी-2024'' का गठन कर रही है, जिसमें पुराने आवेदकों को राहत देने जैसे कदम भी उठाए जाएंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600